दैनिक पंचांग

सूर्योदयः 05:27 ए एम
सूर्यास्तः 07:09 पी एम
तिथिः चतुर्थी - 12:57 ए एम, मई 24 तक
नक्षत्रः आर्द्रा - 12:39 पी एम तक
योगः शूल - 04:47 पी एम तक
करणः वणिज - 12:04 पी एम तक
द्वितीय करणः विष्टि - 12:57 ए एम, मई 24 तक
पक्षः शुक्ल पक्ष
वारः बुधवार

हिन्दी दैनिक

झारखण्ड देखो

खबरें, कहानी, लोग और बहुत कुछ

Digital Edition

www.jharkhanddekho.com • वर्ष 03 • अंक 151 • पृष्ठ 8 • दुमका, बुधवार 31 मई 2023 • मूल्य 2 रुपये Email - Jharkhanddekho@gmail.com | epaper - Jharkhanddekho.com

केंद्र ने हिंसा पीड़ित परिवारों के लिए मुआवजे का किया ऐलान

मणिपुर हिंसाः 10 लाख रुपए, एवं परिवार के एक सदस्य को मिलेगी नौकरी...

नई दिल्ली/एजेंसी।

केंद्र सरकार ने मणिपुर में बीते कुछ दिनों में जातीतय संघर्ष में मारे गए लोगों के परिवारों के लिए 10 लाख रुपये के मुआवजे का ऐलान किया है. देश के गृहमंत्री अमित शाह ने भी हिंसा प्रभावित इलाकों का दौरा किया.

गृहमंत्री अमित शाह ने हिंसा प्रभावित चुराचांदपुर जिले का दौरा किया, जहां आदिवासी महिलाओं ने राष्ट्रीय ध्वज थामे उनका स्वागत किया. राज्य में फैली अशांति के बीच महिलाएं ने अपने हाथ में पोस्टर थामा हुआ था, जिसपर लिखा था कि सिर्फ केंद्र ही समाधान ढूंढ़ सकता है. गृहमंत्री अमिता शाह ने मंगलवार को इंफाल में मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों सहित कई प्रमुख हस्तियों के साथ मुलाकात की. मणिपुर के अपने दौरे के दौरान गृह मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि जिन प्रमुख हस्तियों से मैंने मुलाकात की उन्होंने शांति के लिए अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की और आश्वासन दिया कि हम साथ मिलकर मणिपुर में सामान्य स्थिति बहाल करने का मार्ग प्रशस्त करने में योगदान देंगे. इंफाल में मुख्यमंत्री सचिवालय में विस्तृत चर्चा हुई जहां कई स्टेकहोल्डर्स ने राज्य में सामान्य स्थिति बहाल करने का संकल्प लिया. केंद्र ने यह भी कहा कि अफवाहों को दूर करने के लिए इरठछ की मदद से टेलीफोन लाइनें भी स्थापित की जाएंगी.

एक महीने पहले आरक्षित वन भूमि से कुकी समूदाय के लोगों को बेदखल करने को लेकर झड़प हुई थी. इस संघर्ष ने छोटे-छोटे आंदोलनों की एक श्रृंखला को जन्म दिया है, क्योंकि भूमि और राजनीतिक प्रतिनिधित्व को लेकर बवाल बढ़ता चला गया.

अनुसूचित जनजाति (एसटी) की स्थिति के लिए मैतेई समुदाय की मांग के विरोध में आयोजित एक आदिवासी एकजुटता मार्च के दौरान ही झड़प शुरू हुई थी.

इधर, दिल्ली में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की अगुवाई में कांग्रेस का प्रतिनिधिमंडल राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू से मिला. इस मुलाकात के दौरान कांग्रेस अध्यक्ष ने मणिपुर हिंसा को लेकर उच्च स्तरीय जांच समिति का गठन करने की मांग की. राष्ट्रपति को दिए अपने ज्ञापन में कांग्रेस पार्टी ने कहा कि जांच समिति का गठन सुप्रीम कोर्ट के मौजूदा या रिटायर जज की अगुवाई में होना चाहिए.

मंगलवार को चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान ने कहा कि मणिपुर में हालात को सामान्य होने में समय लगेगा. उन्होंने यह भी कहा कि हिंसा दो जातियों के बीच संघर्ष थी और इसका उग्रवाद से कोई लेना-देना नहीं था.

जनरल चौहान ने कहा कि मणिपुर की स्थिति का उग्रवाद से कोई लेना-देना नहीं है. यह मुख्य रूप से दो जातियों के बीच का टकराव है. यह कानून और व्यवस्था की तरह की स्थिति है और हम राज्य सरकार की मदद कर रहे हैं. हमने एक उत्कृष्ट काम किया है और बड़ी संख्या में लोगों की जान बचाई है. मणिपुर में चुनौतियां गायब नहीं हुई हैं और इसमें कुछ समय लगेगा लेकिन उम्मीद है कि हालात जल्द ही सुधरेंगे.

संक्षिप्त समाचार

मनीष सिसोदिया को नहीं मिली जमानत

नई दिल्ली/एजेंसी। दिल्ली शराब नीतिकेस में जेल में बंद आम आदमी पार्टी के नेता मनीष सिसोदिया को दिल्ली हाईकोर्ट ने बड़ा झटका दिया है. दिल्ली हाईकोर्ट आज मनीष सिसोदिया की जमानत याचिका को खारिज कर दिया है. अरविंद केजरीवाल सरकार के पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया ने निचली अदालत के फैसले को हाईकोर्ट में चुनौती दी थी. निचली अदालत ने मनीष सिसोदिया की जमानत याचिका खारिज कर दी थी. दिल्ली आबकारी नीति से जुड़े उस मामले में दिल्ली उच्च न्यायालय ने आम आदमी पार्टी (आप) के नेता मनीष सिसोदिया को जमानत देने से इनकार कर दिया, जिसकी जांच केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) कर रहा है. उच्च न्यायालय ने कहा कि सिसोदिया के खिलाफ आरोप बे-हद गंभीर किस्म के हैं और जमानत देने पर गवाहों को प्रभावित किए जाने की आशंका को खारिज नहीं किया जा सकता. इस आधार पर हाईकोर्ट ने सिसोदिया की जमानत याचिका खारिज कर दी. आम आदमी पार्टी ने दिल्ली शराब घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में हुई सुनवाई से पहले पुलिस पर मनीष सिसोदिया से बदसलूकी का आरोप लगाया था. आम आदमी पार्टी ने दिल्ली के राउज एवेन्यू कोर्ट में एक पुलिसकर्मी का मनीष सिसोदिया से बदसलूकी करने का एक कथित वीडियो भी जारी किया था.

बिजनेस

बीएसई सेंसेक्स
61,981.79+18.11 (0.029%)

निफ्टी
18,348.00+33.60 (0.18%)

जम्मू-श्रीनगरः हाईवे पर पुल से गिरी यात्री बस, 10 की मौत, 59 घायल

जम्मू/एजेंसी।

जम्मू-श्रीनगर नेशनल हाईवे पर झज्जर कोटली के पास बड़ा सड़क हादसा हुआ है। यहां एक बस पुल से नीच गिर गई। इस हादसे में अबतक 10 लोगों की मौत हो गई है, जबकि 59 यात्री घायल हैं। घायलों का इलाज जम्मू के मेडिकल कॉलेज अस्पताल में जारी है। जानकारी के अनुसार, छह लोगों की मौत मौके पर ही हो गई थी, जबकि चार ही मौत जीएमसी जम्मू में इलाज के दौरान हो गई। मरने वालों बस चालक भी शामिल है। घायलों में तीन की हालत गंभीर बताई जा रही है।

बताया जा रहा है कि बस संख्या अमृतसर से वैष्णो देवी (कटड़) जा रही थी। बस में करीब 60 यात्री सवार थे। सभी बिहार की राजधानी पटना के रहने वाले बताए जा रहे हैं। जैसे ही बस नेशनल हाइवे-44 पर झज्जर कोटली पहुंची, बस अनियंत्रित होकर पुल से नीचे गिर गई। हादसे में सात से ज्यादा लोगों के मरने की खबर है। वहीं, 41 लोग घायल बताए जा रहे हैं। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसा जम्मू जिले से करीब 15 किलोमीटर दूर झज्जर कोटली के पास हुआ है।

सीआरपीएफ अधिकारी अशोक चौधरी ने बताया कि जैसे ही हमें सुबह दुर्घटना की जानकारी मिली। तुरंत हमारी टीम ने यहां पहुंचकर रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। शवों को निकाला गया। घायलों को अस्पताल पहुंचाया है। पुलिस की टीम भी हमारे साथ रेस्क्यू ऑपरेशन में लगी है। सीआरपीएफ, पुलिस और अन्य टीमें भी यहां हैं। रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है। बताया जा रहा है कि बस में बिहार के लोग थे जो कटरा जा रहे थे। वे शायद कटरा का रास्ता भूल गए और यहां पहुंच गए।

प्रदर्शनकारी पहलवान 'गंगा में बहाएंगे मेडल'

नई दिल्ली/एजेंसी।

विनेश फोगाट, बजरंग पुनिया, संगीता फोगाट, साक्षी मलिक समेत कई शीर्ष प्रदर्शनकारी पहलवान गंगा में अपने मेडल बहाने जा रहे हैं. सभी पहलवार हरिद्वार के लिए निकल गए हैं. बता दें कि शीर्ष पहलवानों ने 23 अप्रैल को भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के प्रमुख बृजभूषण शरण सिंह को गिरफ्तार करने की मांग को लेकर अपना आंदोलन फिर से शुरू किया था. बृजभूषण पर एक नाबालिग सहित कई महिला पहलवानों के कथित यौन उत्पीड़न का आरोप लगा है.

Dipendra Singh
9335448671

R.K. Choudhary
8384831556

RK marbles & tiles

मार्बल & ग्रेनाइट
राजस्थान वाले

रेलवे स्टेशन के सामने, रिंग रोड, दुमका (झारखंड)

संक्षिप्त समाचार

दुमका देवघर रेलवे लाईन पर महारो और मुंडमाला के बीच 18 वर्षीय युवती का शव बरामद

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। दुमका देवघर रेलवे लाईन पर महारो और मुंडमाला के बीच सोमवार की देर रात एक युवती के ट्रेन से कटकर आत्म हत्या करने का मामला सामने आया है।युवती की पहचान 18 वर्षीय अंजलि मरांडी पिता नंदकिशोर मरांडी के रूप में हुई है.ऐसा बताया जा रहा है कि

युवती लिव इन रिलेशनशिप में रह रही थी युवती टेपरा दुधानी गांव की रहने वाली थी। उसने देर रात किसी ट्रेन से कटकर आत्महत्या कर ली है।मिली जानकारी के अनुसार सुबह लाईनमैन जब लाईन चेक करने पंहुचा तो उस दरम्यान रेलवे ट्रैक पर एक युवती का शव देखा.उसने तुरंत अपने पदाधिकारी को फोन कर मामले की सूचना दी।तत्पश्चात रेलवे विभाग ने जामा थाना प्रभारी जितेन्द्र कुमार साहू को सूचना दी।सूचना मिलते ही जामा थाना प्रभारी ने घटनास्थल पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए दुमका सदर अस्पताल सह फूलो झानो मेडिकल कालेज अस्पताल भेजवाया। वहीं एएसआई अनिल गुप्ता ने युवती की पहचान होने के बाद परिजनों का फर्द बयान लिया। बताया जा रहा है युवती ने पूर्व में लिव इन रिलेशनशिप में रह रही थी और जिसके साथ रहती थी बीते साल दुमका भागलपुर मुख्य रेलखंड मदनपुर के पास उसने भी ट्रेन से कटकर आत्महत्या कर ली थी. जिससे युवती बहुत बहुत दुःखी ओर परेशान रहतीं थी।

हाईवा चालक गया जेल

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। पत्थर का अवैध परिवहन रोकने के उपायुक्त के आदेश की विभिन्न चेकपोस्टों में प्रतिनियुक्त अधिकारियों द्वारा खुलेआम धज्जियां उड़ाई जा रही है,केवल दिखावे के तौर पर ही पूरी रात चेकनाका कार्यरत दिखाया जाता है.हम यूं ही नहीं कह रहे इसका जीता जागता प्रमाण शिकारीपाड़ा थाना थाना प्रभारी सह पुलिस निरीक्षक उमेश राम द्वारा स्वयं पत्ताबाड़ी

के निकट पत्थर चिप्स लदे ओवरलोड हाईवा पकड़ना एवं पुलिस द्वारा हाईवा चालक अमरदीप कुमार को जेल भेजना है। ज्ञात हो कि बीते सप्ताह उपायुक्त ने पत्थर एवं पत्थर चिप्स के अवैध परिवहन को रोकने के उद्देश्य से खोले गए चेकनाका एवं उसमें प्रतिनियुक्त दंडाधिकारियों,अंचल अधिकारियों एवं थाना प्रभारियों के साथ बैठक कर निर्देश दिया था कि हर हाल में अवैध परिवहन को रोकना है.इसके लिए वाहन की जांच के साथ-साथ उस पर लले पत्थर एवं पत्थर चिप्स के चालान एवं क्षमता से अधिक यदि परिवहन कर रहा है तो वैसे वाहनों पर एवं उनके मालिकों पर कार्रवाई करना है उसके बावजूद भी सरस डगाल चेकनाका से ओवरलोडेड हाईवा पत्ताबाड़ी के निकट कैसे पकड़ा गया यह अपने आप में प्रश्न खड़ा कर रहा है।लोग सवाल कर रहे हैं कि आखिर सरसडंगाल चेकनाका से उक्त हाईवा कैसे निकल गया.

उपराजधानी दुमका में ईडी की धमक,दो संवेदकों के घर ईडी की छापेमारी

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। झारखण्ड की उपराजधानी दुमका में मंगलवार की सुबह दो संवेदक अजय कुमार झा उर्फ मिक्की झा और विनोद कुमार लाल के आवास पर ईडी की छापेमारी चली ।रांची से पहुंची प्रवर्तन निदेशालय की टीम द्वारा छापेमारी की जा रही है।अजय कुमार झा उर्फ मिक्की झा तथा विनोद कुमार लाल दोनों पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के बड़े संवेदक है, हालांकि अजय कुमार झा अन्य विभागों में भी

ठेकेदारी का काम कर रहे हैं।ज्ञात हो कि दुमका में पहली बार हो रही प्रवर्तन निदेशालय की छापेमारी से लोगों में काफी उत्सुकता है,लोग दोनों के घर के आस पास भी पहुंचने लगे थे ।पूरे शहर में इस छापेमारी से चर्चाओं का बाजार गर्म है।गौरतलब है कि कुछ महीने पहले विनोद कुमार लाल के आवास पर आयकर विभाग की टीम ने सर्वे किया था।उस सर्वे के बाद ईडी की छापेमारी हो रही है।बताते चलें कि विनोद कुमार लाल नगर परिषद के उपाध्यक्ष है जबकि अजय कुमार झा नगर परिषद अध्यक्ष स्वेता झा के पति है।बहरहाल ईडी की छापेमारी से जहां आमलोगों में उत्सुकता है वहीं अवैध कारोबार में संलिप्त लोगों को डर है कि कहीं अगला नंबर उनका तो नहीं।सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार दुमका में कुछ और लोग ईडी के रडार पर है।

विधायक नलीन सोरेन एवं जिप अध्यक्ष जोएस लुप्सी बेसरा के प्रयास से केरल से प्रवासी मजदूर का शव पहुंचा उसके घर बिछियापहाड़ी

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका । काठीकुंड थाना क्षेत्र के बिछियापहाड़ी पंचायत अंतर्गत बड़ा सरुवापानी गांव के मजदूर गणेश मड़ैया की 27 मई को केरल के एक अस्पताल में इलाज के दौरान मृत्य मृत्यु हो गई। जिसकी सूचना स्वजनों को मिलने के पश्चात उन्होंने स्थानीय विधायक नलिन सोरेन,जिला परिषद अध्यक्ष जोएस लुप्सी बेसरा और प्रखंड प्रशासन को शव से शव को घर तक लाने की गुहार लगाई।जिला परिषद अध्यक्ष ने उपायुक्त रविशंकर शुक्ला से इस विषय में बातचीत कर काठीकुंड प्रखंड विकास पदाधिकारी रजनीश कुमार के साथ लगातार संवाद स्थापित करती रही और इसी क्रम में मंगलवार की शाम मृतक का शव एम्बुलेंस की सहायता से उसके घर तक पहुँचाया गया।शव के घर पहुंचने पर जिप अध्यक्ष श्रीमती बेसरा मृतक के घर पहुंची,परिजनों से मिलकर दुःख प्रकट करते हुए उन्हें सांत्वना दी एवं आर्थिक मदद की।शव को देखकर जिप अध्यक्ष अत्यंत दुखी हुई और अपने आंखों से आंसू नहीं रोक सकी। मौके पर जिप अध्यक्ष श्रीमती बेसरा ने कहा कि मजदूर के मृत्यु की सूचना परीजनों द्वारा मुझे 27 मई को प्राप्त हुई,जिसके पश्चात हमने उपायुक्त व प्रखंड प्रशासन से लगातार संवाद स्थापित कर मृतक के शव को घर तक लाने का काम किया।उन्होंने कहा कि सरकार परिजनों के साथ है और मृतक के परिजनों को आवश्यक सरकारी लाभ से लाभान्वित किया जाएगा।कहा कि घटना से अत्यंत दुःखी हूं और हम परिवार के साथ है। सोमवार को प्रखंड विकास पदाधिकारी के निर्देश पर पंचायत के मुखिया छोटू मुर्मू, रोजगार सेवक प्रशांत ने मृतक के स्वजनों से मिलकर आवश्यक कागजात तैयार कर श्रम विभाग दुमका को भेज दिया था।जानकारी के अनुसार मृतक अपने भाई और रिश्तेदारों के साथ 24 अप्रैल को रोजगार के लिए केरल गया था।लेकिन 26 मई को अचानक मृतक गणेश मड़ैया की तबियत बिगड़ गई, रिश्तेदारों ने इलाज के लिए केरल के अस्पताल में भर्ती कराया,लेकिन इलाज के दौरान ही उसकी मौत हो गई।मृतक अपने पीछे पत्नी पकलु देवी और चार छोटे छोटे बच्चो को छोड़ गए हैं।घटना से गांव में मातम छाया हुआ है। मौके पर पंचायत सचिव मेघलाल महतो,पंचायत के मुखिया छोटू मुर्मू के साथ सैकड़ों ग्रामीण उपस्थित थे।

अपनी संताली में चल रहा है तकनीकी शब्दों का निर्माण

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका । भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय अन्तर्गत तकनीकी शब्दावली आयोग दिल्ली के द्वारा कृषि और जन्तु विज्ञान के तकनीकी शब्दों का संतालीकरण स्थानीय एस पी कालेज के संस्कृत विभाग चल रहा है। कार्यक्रम के दूसरे दिन विषय विशेषज्ञों ने निर्धारित कार्य सम्पन्न किया। यह कार्यक्रम पांच दिनों तक चलेगा। इसमें तीन हजार तकनीकी शब्दों का संतालीकरण किया जाएगा। नई शिक्षा नीति 2020 में मातृभाषा में शिक्षा ग्रहण करने हेतु संताली में भी पाठ्य पुस्तक लिखा जाना है। इसके प्रारंभिक दौर में शब्दों का संतालीकरण होना है। इसके लिए कृषि, जन्तु विज्ञान, संताली के साथ भाषा वैज्ञानिक विभिन्न विश्वविद्यालयों से दुमका आए हैं। साथ ही स्थानीय विश्वविद्यालय के भी विषय विशेषज्ञ उपस्थित थे। यह कार्यक्रम दिनांक 29 मई से 2 जून तक संताल परगना महाविद्यालय दुमका के विज्ञान भवन में प्रातः 10 बजे से शाम चार बजे तक हुआ । दिल्ली से आयोग के दो पदाधिकारी डॉ.अशोक एन. सेलवटकर एवं शैलेन्द्र सिंह, सहायक निदेशक, वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग,शिक्षा मंत्रालय,भारत सरकार नई दिल्ली इस कार्यक्रम में मौजूद रहे । कार्यक्रम में आतिथ्य की जिम्मेदारी महाविद्यालय के संस्कृत विभाग को दिया गया है। संस्कृत विभाग के अध्यक्ष डॉ धनंजय कुमार मिश्र और सहायक प्राध्यापक डॉ कुमार नृपेन्द्र पाठक इस कार्यक्रम में मौजूद रहे। जन्तु विज्ञान के विद्वान के रूप में डॉ पूनम हेम्ब्रम, डॉ अमिता राज हेम्ब्रम, डॉ अनिता हेम्ब्रम, संताली के विद्वान डॉ प्रीति प्रिया, डॉ जीसू हांसदा, डॉ सनातन मुर्मू, डॉ होलिका मराण्डी तथा कृषि के वैज्ञानिक श्री गेवियल हांसदा ने तकनीकी शब्दावली का निर्माण कार्य कर रहे हैं।

वरीय पदाधिकारी एवं सीओ ने लिया हटिया संचालन का जायजा

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। वरीय पदाधिकारी अशोक दास ने आज मंगलवार को अंचल अधिकारी अतुल रंजन भगत के साथ महिषबाथान हटिया परिसर पहुंचकर हटिया संचालन का जायजा लिया।साथ ही उस परिसर के भूमि राजस्व विभाग के राजस्व कर्मचारी भवन, हटिया परिसर के पार्थ सारथी मंदिर के पंहुच पथ पर विधायक निधि से निर्मित पुलिया की उपयोगिता एवं बाजार समिति निर्मित शेड की स्थिति का जायजा लिया हैं । ज्ञात हो कि यहां हटिया का संचालन पार्थ सारथी मंदिर समिति द्वारा किया जाता हैं ।झामुमो के प्रखंड सचिव नौशाद शेख एवं सदस्यों द्वारा यहां बिगत

दो साल से हटिया का संचालन किया जा रहा हैं ।झारखंड अलग राज्य बनने के बाद यहां हाट का संचालन समिति करती हैं ।हाट परिसर में नौशाद ने बड़ी लागत से भब्य पार्थ सारथी मंदिर का निर्माण कराया हैं।पंचयात के मुखिया खुदीराम मोहुली,जिला परिषद के सदस्य बिमान सिंह,भाजपा रानीश्वर मंडल के अध्यक्ष रघुनाथ दत्त ने वरीय पदाधिकारी के समक्ष हटिया परिसर की जमीन पर नौशाद के द्वारा अवैध रूप से कब्जा करने का आरोप लगाया हैं।वही नौशाद ने उसके कब्जा की जमीन को अपनी जमीन बताया हैं ।साथ ही हटिया परिसर की गोचर जमीन एवं पथ निर्माण विभाग की जमीन पर कई लोगो द्वारा अबैध रुप से कब्जा करने की शिकायत की हैं। जो भी हो यहां हटिया एवं आसपास की जमीन को लेकर सत्ताधारी दल के नौशाद एवं भाजपा के मुखिया,जिला परिषद के सदस्य व भाजपा मंडल अध्यक्ष के बीच वर्चस्व की लड़ाई शुरू हो गयी हैं ।

हमें अपने स्वास्थ्य और शरीर पर पूरा ध्यान देना चाहिए

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। आईक्यूआईसी के तत्वाधान में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई 3 ×की ओर से इकाई 3 कार्यक्रम पदाधिकारी सह दुमका नोडल पदाधिकारी डॉ रूपम कुमारी के नेतृत्व में एक दिवसीय वर्कशॉप का आयोजन किया गया।जिसका विषय -मासिक धर्म स्वास्थ्य और स्वच्छता कार्यक्रम था।इस अवसर पर सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी प्रतिमा भेंगरा,शिल्पी इलीब्रा, स्वीटी कंडुलना ने उपस्थित रहकर छात्राओं ×को मासिक धर्म से उत्पन्न होने वाले समस्याओ ×को बताया साथ ही उसके निवारण के उपाय भी बताये, इस अवसर पर मैडम प्रतिमा

भेंगरा ने कहा हमें अपने स्वास्थ्य और शरीर पर पूरा ध्यान देना चाहिए।उन्होंने कहा मासिक धर्म के द्वारान तीन प्रकार की योगा की चर्चा की चाइल्ड पोज़, कोबरा पोज, बटरफ्लाई पोज, मासिक अवस्था में महिलाये ये तीनो योगा कर सकती है उन्हें काफी आराम मिलेगा।इस अवसर पर मैडम शिल्पी ने कहा मासिक धर्म के दौरान जो रूढ़िवादी बिचार महिलाओ में होती आई हैं ×की खाना नहीं बनाना, एक रूम में बंद रहना यह बिलकुल ही गलत है क्युकी हम अपने ×को साफ सुथरा से रहेंगे तभी हमारा शरीर भी स्वच्छ रहेगा,महिलाये अपने रूढ़िवादी बिचार ×को खत्म करें,आज ×की लडकिया मासिक धर्म के दौरान पैड का उपयोग करें।इस अवसर पर मैडम स्वीटी ने पैड का सही ढंग से उपयोग रखने ×को कहा ×की पैड ×को कागज में लपेटकर डस्टबिन का प्रयोग करना चाहिए।गलत जगह में फेकने पर जानवर बीमारियों का शिकार होते हैं हमे इधर उधर न फेककर डस्टबिन का प्रयोग करना चाहिए। लडकियो को मासिक धर्म के दौरान अपने आसपास सभी ×को स्वच्छता और स्वास्थ्य के लिए जागरूक करना चाहिए। डॉ रूपम कुमारी ने कहा मासिक धर्म के द्वारान जो संकोच लडकियो में होता उसको ×खत्म करने कहा,अगर कोई परेशानी हो रही तो प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में जाना चाहिए आज वर्तमान युग आधुनिक युग हैं ।सभी महिलाओ ×को अपने मासिक धर्म के प्रति स्वास्थ्य और स्वच्छता पर ध्यान देना चाहिए। इस अवसर पर हिंदी बिभाग के प्राध्यापक डॉ हिमांशु ने लडकियो ×को जानकारी के लिए प्रेरित किया, इस अवसर पर सभी छात्रा ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिए जिसमे बबिता हेमब्रम, मम्पी मंडल, नूपुर दास, मीता गोस्वामी आदि ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया

स्वरोजगार की दिशा में पाकुड़ जिला को अग्रसर करने में दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल्य योजना का योगदान बहुत महत्वपूर्ण: मंत्री

पाकुड जिले के आर्थिक और सामाजिक पिछड़ेपन को दूर करने के लिए राइजिंग पाकुड का मंत्री आलमगीर आलम ने किया लोकार्पण

(झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)

पाकुड़: झारखंड स्टेट लाइवलीहुड प्रमोशन सोसाइटी (जेएसएलपीएस) द्वारा संचालित दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल्य योजना के तहत मंगलवार को ग्रामीण विकास विभाग मंत्री आलमगीर आलम की उपस्थिति में पुराना समाहरणालय परिसर पाकुड में कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस दौरान सर्वप्रथम ग्रामीण विकास विभाग मंत्री आलमगीर आलम, उपायुक्त वरुण रंजन, जिला परिषद अध्यक्ष श्रीमती जूली खिस्टमणि हेम्ब्रम,उप विकास आयुक्त मो० शाहिद अख्तर सहित अन्य अतिथियों एवं अधिकारियों का पौधा देकर स्वागत किया गया जिसके उपरांत ग्रामीण विकास मंत्री सहित सभी अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का विधिवत रूप से शुभारंभ किया। कार्यक्रम के दौरान अपने संबोधन में उपायुक्त वरुण रंजन ने दीन दयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल योजना के संबंध में सभी को विस्तार से जानकारी देने के क्रम में बताया कि इस योजना के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में स्वरोजगार की दिशा में लोगों को अग्रसर करने के उद्देश्य से यह योजना संचालित है जिसके तहत महिलाओं को सिलाई कढ़ाई, नर्सिंग के साथ विभिन्न क्षेत्रों एवं पुरुषों को विभिन्न तकनीकी कौशल प्रशिक्षण दिया जाता है। साथ ही साथ राइजिंग पाकुड का लोकार्पन के तहत बतलाया कि पाकुड जिले की आर्थिक और सामाजिक पिछड़ेपन को दूर करने के लिए इसकी शुरुआत की गयी है जिससे पाकुड का विकास होगा।

शिक्षा, स्वास्थ्य और बाल विकास विभाग के लिए एक्शन प्लान बनाया गया है और इसके तहत दो फेज में कार्य किया जाना है। उन्होंने कहा कि तीनो विभाग की समस्याओं से रूबरू होते हैं और इसी को लेकर प्रोजेक्ट राइजिंग पाकुड़ प्रारंभ किया गया है और निश्चित ही आने वाले समय में इन तीनों क्षेत्र में व्यापक बदलाव देखा जाएगा। उपायुक्त ने पुलिस पदाधिकारियों को थाना स्तर पर कार्यशाला आयोजित करने एवं विभिन्न क्षेत्रों के निरीक्षण के क्रम में युवाओं को योजना के प्रति जागरूक करने व उन्हें योजना से जोड़ने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाने की अपील की। ग्रामीण विकास विभाग मंत्री आलमगीर आलम ने कहा कि जेएसएलपीएस के अंतर्गत दीन दयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल्य योजना के तहत तीन माह से लेकर दो साल तक के प्रशिक्षण में प्रशिक्षणार्थी को किसी भी तरह का कोई भी खर्च वहन नहीं करना होगा। सरकार द्वारा प्रशिक्षणार्थी को प्रशिक्षण के दौरान रहने, खाने सहित अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जाती है। वर्तमान समय में योजना को लेकर लोगों में जागरूकता की कमी है। इसी उद्देश्य से इस कार्यशाला का आयोजन किया गया है जिसमें आप सभी जनप्रतिनिधियों, विभिन्न विभागों के अधिकारियों, पुलिस पदाधिकारियों आदि की सहभागिता से इस योजना को सफल की जाए। सभी जनप्रतिनिधियों से कहा कि योजना के सफल संचालन में आप सभी का योगदान बहुत महत्वपूर्ण है। कार्यशाला के दौरान उपस्थित मीडिया प्रतिनिधियों से ग्रामीण विकास मंत्री ने विशेष रुप से अपील करते हुए योग्य एवं जरूरतमंद लोगों को योजना से जोड़ने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाने की अपील की। साथ ही साथ कहा कि अगर इस योजना को सही तरीके से धरातल पर उतारा जाए तो पाकुड जिले के विकास में यह योजना मील का पत्थर साबित होगी। कार्यक्रम के अंत मे परिसंपत्तियों का वितरण किया गया जिसके तहत दीन दयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल्य योजना के 5 प्रतिभागियों को मूवमेंट पत्र, जॉब रिसोर्स पर्सन को कीट, पिछले वित्तिय वर्ष में बेहतर कार्य करने वाले जेआरपी और बीपीएम को प्रशस्ति पत्र, बिरसा सिचाई कूप योजना तथा बिरसा हरित ग्राम योजना के लाभुकों को स्वीकृति पत्र तथा आंगनबाड़ी सेविका और सहिया को चयन पत्र वितरण किया। साथ ही साथ 33 बेरोजगार युवक एवं युवतियों को प्रशिक्षण लेने के लिए रांची और हज़ारीबाग रवाना किया गया। धन्यवाद ज्ञापन जिला कार्यक्रम प्रबंधक प्रवीण मिश्रा के द्वारा दिया गया। मंच का संचालन बीपीएम ×फैज़ आलम के द्वारा किया गया। वहीं मौके पर जिला परिषद अध्यक्ष जूली ख्रष्टमणि हेंब्रम, उप विकास आयुक्त मो० शाहिद अख्तर, एसडीओ हरिवंश पंडित, जिला आपूर्ति पदाधिकारी संजय कुमार दास, एसडीपीओ पाकुड़ अजीत कुमार विमल, बीडीओ शफीक आलम, जेएसएलपीएस डीपीएम प्रवीण मिश्रा के साथ-साथ सभी जिला परिषद सदस्य, प्रखंड के प्रमुख, उप प्रमुख व पंचायत प्रतिनिधि मौजूद थे।

संक्षिप्त समाचार

हिरणपुर में रात्रि चौपाल कार्यक्रम का आयोजन

हिरणपुर(पाकुड): (झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)। रात्रि चौपाल कार्यक्रम का आयोजन सोमवार देर शाम हिरणपुर बाजार स्थित जबरदाहा पंचायत भवन परिसर में आयोजित किया गया. कार्यक्रम का उद्घाटन बीडीओ संजय कुमार,कार्यपालक अभियंता, लघु सिंचाई प्रमंडल पाकुड़ के शाहजहां अंसारी, जिला कृषि पदाधिकारी अरुण कुमार सिंह, प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ संतोष कुमार टुडू, मुखिया राखी हांसदा द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया गया. कार्यक्रम में जिला कृषि पदाधिकारी ने उपस्थित कहा कि ग्रामीणों को राज्य और केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का त्वरित लाभ देने के लिए रात्रि चौपाल का आयोजन किया गया है. उन्होंने ग्रामीणों से अपील किया कि इस आयोजित चौपाल का भरपूर लाभ उठाएं तथा खुद लाभान्वित होकर ओरों को भी प्रेरित करे. वहीं बीडीओ ने ग्रामीणों द्वारा पेयजल की समस्या, विधवा, वृद्धावस्था और नया राशन कार्ड बनाने,बिजली का ट्रांसफार्मर मरम्मती, स्वास्थ से संबंधित, मनरेगा जॉब कार्ड आदि योजना से संबंधित समस्याओं को सुना जिस पर बीड-ीओ ने विभिन्न विभागों के प्रखंड स्तरीय पदाधिकारियों को ग्रामीणों से प्राप्त सभी समस्याओं का नियमानुसार त्वरित कार्रवाई करते हुए समाधान कर उन्हें प्रतिवेदन प्रस्तुत करने का निर्देश दिए.₹ वहीं ग्रामीणों द्वारा व्यक्तिगत समस्याओं को भी बारी-बारी से रखा गया जिसका तत्काल समाधान किया गया. मौके पर प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी विद्यानंद मुर्मू, प्रखंड समन्वयक हसनैन अंसारी, प्रखंड पंचायत राज पदाधिकारी केसी दास, कनिया अभियंता विजय रविदास, प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी मानिक चन्द्र दास, पंचायत सचिव जफरान अंसारी, उप मुखिया मुन्ना भगत, मुखिया प्रतिनिधि राजेश मुर्मू सहित अन्य उपस्थित थे.

जिले के तीन सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस विद्यालयों में नामांकन के लेकर हुई परीक्षा

- **सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस के प्रवेश परीक्षा में नामांकन के लिए 1013 छात्रझ्छात्राओं ने किया था आवेदन, 888 छात्र प्रवेश परीक्षा में हुए शामिल, 125 रहें अनुपस्थित**

हिरणपुर(पाकुड): (झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)। जिले के तीन सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस (मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालय) में नामांकन को लेकर प्रवेश परीक्षा कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय, राज प्लस टू विद्यालय, राजकीय कन्या मध्य विद्यालय में आयोजित किया गया। परीक्षा में शामिल होने को लेकर तीनों विद्यालयों के मुख्यद्वार पर छात्र-छात्राओं ससमय पहुंच गए थे। ससमय परीक्षा केंद्रों को खोला गया। जिले के तीनों सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस विद्यालयों में नामांकन को लेकर कुल 1013 छात्र - छात्राओं ने आवेदन किया था, जिसमें से कुल 888 छात्रझ्र छात्राओं ने आज प्रवेश परीक्षा दिया। परीक्षा के सफल संचालन को लेकर जिला प्रशासन एवं शिक्षा विभाग ने पूरी तैयारी की थी। उपायुक्त श्री वरुण रंजन के निर्देश पर जिला शिक्षा पदाधिकारी श्रीमती रजनी देवी, जिला शिक्षा अधीक्षक श्री मुकुल राज समेत अन्य पदाधिकारियों ने विभिन्न परीक्षा केंद्रों का जायजा भी लिया। प्रवेश परीक्षा कदाचारमुक्त माहौल में संपन्न हुई। राज प्लस टू विद्यालय में 633 छात्रों के स्थान पर 566 छात्रों ने, राजकीय कन्या मध्य विद्यालय में 242 छात्रों के स्थान पर 202 छात्रों ने एवं कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय में 138 छात्रों के स्थान 120 छात्रों ने प्रवेश परीक्षा दिया।

ग्रामीण विकास विभाग मंत्री ने किया अल्ट्रासोनोग्राफी मशीन का उद्घाटन

(झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)

पाकुड़: सदर अस्पताल, सोनाजोड़ी, पाकुड़ में ग्रामीण विकास विभाग मंत्री आलमगीर आलम के कर कमलों द्वा-रा डीएमएफटी फंड से स्थापित अल्ट्रासोनोग्राफी मशीन का उद्घाटन किया गया। इस कार्यक्रम में उपायुक्त वरूण रंजन, उप विकास आयुक्त मो शाहिद अख्तर, सिविल सर्जन डॉ मंटू कुमार टेकरीवाल, अपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी डॉक्टर अरविंद कुमार सिंह, स्थापना उप समाहर्ता विकास कुमार त्रिवेदी, सदर अस्पताल उपाधीक्षक डॉ संजय कुमार झा, जिला यक्ष्मा पदाधिकारी डॉ एहतेशाम उद्दीन, जिला मलेरिया पदाधिकारी डॉ अमित कुमार समेत अन्य उपस्थित थे। ग्रामीण विकास विभाग मंत्री आलमगीर आलम ने कहा कि सदर अस्पताल में

मेडिकल के क्षेत्र में सफलता के नए-नए आयाम स्थापित किए है और यह अत्याधुनिक अल्ट्रासोनोग्राफी मशीन यहां स्थापित होने से निश्चित रूप से यहां की जनता को लाभ पहुंचेगा। इससे पहले गर्भवती महिलाओं को अल्ट्रासाउंड करवाने के लिए बंगाल या बिहार जाना पड़ता था। अल्ट्रासोनोग्राफी मशीन आ जाने से अब महिलाओं को इतना लंबा सफर नहीं करना पड़ेगा। अब सदर अस्पताल, सोनाजोड़ी, पाकुड़ में अल्ट्रासोनोग्राफी निःशुल्क किया जा रहा है। उपायुक्त वरुण रंजन ने कहा कि अल्ट्रासोनोग्राफी रिपोर्ट के आधार पर बेहतर इलाज संभव हो पाएगा। अब सभी गर्भवती महिलाओं को इसका लाभ मिल सकेगा। उन्होंने कहा कि मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराना सरकार का उद्देश्य है। इसके लिए कई स्तरों पर कार्य किया जा रहा है। मरीजों को बेहतर ईलाज के लिए सरकारी अस्पताल से बाहर नहीं जाना पड़े, इसका पूरा ख्याल रखा जा रहा है। अस्पताल में ही बेहतर सुविधा प्रदान करने का प्रयास किया जा रहा है। इसके अलावा मंत्री ने सदर अस्पताल में ओपीडी, एडवांस लैब की सेवाओं का भी जायजा लिया।

एक दिवसीय स्कूल पूर्व शिक्षा को बेहतर बनाने हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

(झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)

पाकुड़: मंगलवार को एक दिवसीय स्कूल पूर्व शिक्षा को बेहतर बनाने हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन सूचना भवन सभागार में आयोजित की गई। प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन 29 मई से किया जा रहा है। यह कार्यक्रम तीन दिनों तक 29 मई से 31 मई तक होना है जिसमें प्रत्येक दिन दो प्रखंड के चयनित मॉडल आंगनबाड़ी की सेविकाओं एवं तेजस्विनी परियोजना अंतर्गत संबंधित कलस्टर को-ऑर्डिनेटर का संयुक्त रूप से प्रशिक्षण दिया जाना है। प्रथम

दिवस पाकुर सदर एवं हिरणपुर प्रखंड को प्रशिक्षित किया गया है। दिनांक 29 मई को पाकुड़िया एवं महेशपुर प्रखंड के प्रतिभागियों ने भाग लिया। प्रतिभागियों को आंगनबाड़ी केंद्र संचालन का दैनिक कार्यक्रम, विकास की अवधारणाएं, बच्चें का स्वभाव, खेल का महत्व, आंगनबाड़ी केंद्र का सजावट, पाठ्यक्रम का विस्तृत जानकारी, टीचिंग लर्निंग मैटेरियल कैसे तैयार करें आदि से संबंधित विषयों पर प्रशिक्षित किया गया। अंतिम दिन 31 मई को अमड़ापाड़ा एवं लिट्टीपाड़ा प्रखंड के प्रतिभागियों का प्रशिक्षण कार्यक्रम निर्धारित है।

आदिवासी महिला कादम्बिनी सोरेन ने प्राप्त की पीएचडी की डिग्री

पाकुड़: (झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)। शिक्षा ग्रहण में नहीं होती है कोई बाधा यह बात को साबित करते हुए पाकुड़ जिले के महेशपुर प्रखंड स्थित रोलाग्राम गांव की गणेश चंद्र सोरेन की पुत्री कादम्बिनी सोरेन ने पीएचडी करके किया है, उन्होंने सिदो कान्हू मुर्मू यूनिवर्सिटी दुमका के मनोविज्ञान विभाग से पीएचडी की डिग्री हासिल की है।उन्होंने अपनी पीएचडी रिसर्च को अपने तीन बच्चों के पालन-पोषण के साथ यह मुकाम हासिल किया है, इसमें उनका भरपूर सहयोग उनके पति संतोष हेंब्रम ने किया है ।उन्होंने रिसर्च के बारे में बात करते हुए कहा कि मैं अपने इस रिसर्च का श्रेय अपने रिसर्च गाइड डॉ. पुष्पलता को दिया है, साथ ही उन्होंने कहा की अगर डॉ.स्वतंत्र कुमार सिंह और कलानंद ठाकुर जैसे विद्वान शिक्षक का सहयोग ना होता तो शायद ही यह मुकाम मुझे मिल पाता। एक महिला होते हुए मुझे कभी नहीं लगा की पढ़ाई में कोई बाधा परिवार के देखरेख करते हुए आती है ।बस दृढ़ निश्चय और सच्ची लगन की आवश्यकता है, समाज में आदिवासी महिलाओं की स्थिति और खास करके महिलाओं में शिक्षा की स्थिति अच्छी नहीं है, आगे मेरी कोशिश होगी आने वाली पीढ़ियों में यह मैसेज जाए कि महिलाओं को शिक्षा ग्रहण करना कितना जरूरी है ।आदिवासी महिलाओं को उच्च शिक्षा में भागीदारी सुनिश्चित करने की जरूरत है तब ही आदिवासी महिलाओं और आदिवासी समाज का सम्पूर्ण विकास संभव है ।क्योंकि आदिवासी समाज में महिलाएं रीढ़ की तरह है । अपने इस संघर्ष में पिता गणेश चंद्र सोरेन और माता मंजुला टुडू, ससुर दाऊद हेंब्रम,सासु सुरुधनी किस्कू, पुत्री एंजल और आशा, पुत्र एरिक डेविड हेंब्रम का सहयोग को भी महत्वपूर्ण मानते हैं।

31 मई को राजधानी रांची में न्याय यात्रा सह धरना कार्यक्रम

पाकुड़: (झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)। 11 सूत्री मांगों को लेकर जनसेवकों की हड़ताल 30 मई को 22वें दिन भी ज़ारी रही. धरना स्थल पर बैठे जनसेवक संघ के सदस्य जनसेवक ने कहा कि सरकार की इस दमनकारी रवैये के विरोध में बुधवार 31 मई को राजधानी रांची में न्याय यात्रा सह धरना कार्यक्रम जाएगी. ये यात्रा शालीमार बाजार धुर्वा से गोल चक्कर होते होए प्रोजेक्ट भवन तक जाएगी. साथ ही प्रोजेक्ट भवन के सामने महा धरना दिया जाएगा. न्याय यात्रा में राज्य के सभी जिलों व प्रखण्डों लगभग 1600 जनसेवक शामिल होंगे.

जमा राशि का भुगतान नहीं होने के विरोध में भुगतान मार्च निकाली गई, डीसी को सौपा ज्ञापन

(झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)

पाकुड़: पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत जन संघर्ष मोर्चा पाकु-ड़ के द्वारा सहकारिता विभाग पाकुड़ द्वारा संचालित पाकुड़ और सोनाजोड़ी लैम्पस में गृह लक्ष्मी जमा बृद्धि योजना के खाताधारिओं के द्वारा अपने जमा राशि का भुगतान नहीं होने के विरोध में सिद्धो-कान्हु पार्क पाकु-ड़ से समाहरणालय पाकुड़ तक भुगतान मार्च मोर्चा के संयोजक हिसाबी राय के नेतृत्व निकाला गया। इस भुगतान मार्च में पाकु-ड़ एवं सोनाजोड़ी लैम्पस के खाताधारकों सहित बड़ी संख्या में मातृशक्तियों ने भी भाग लिया। उक्त भुगतान मार्च में अनुग्राहित

प्रसाद साह विशेष रूप से उपस्थित रहे। भुगतान मार्च समाहरणालय पाकुड़ पहुंच कर सभा में तब्दील हो गई। इस अवसर संयोजक हिसाबी राय ने बताया कि बताया कि सहकारिता विभाग पाकुड़ द्वारा संचालित पाकुड़ एवं सोनाजोड़ी लैम्पस में लगभग तीन हजार ऐसे खाताधारी हैं जिन्होंने गृहलक्ष्मी जमावृद्धि योजना के तहत अपने दैनिक आमदनी का कुछ भाग बचाकर बरसों से जमा करते रहे हैं।सभी अत्यंत गरीब और निम्न मध्यम वर्ग के लोग हैं। जिन्होंने अपने दैनिक बचत की राशि एजेंट के माध्यम से जमा करते रहे हैं।लेकिन परिपक्वता की अवधि पूरी होने के बाद भी वर्ष 2018 से खाताधारकों को भुगतान नहीं किया जा रहा है। जिसके कारण आन्दोलन का रास्ता अपनाया गया है। तदोपरांत जन संघर्ष मोर्चा के प्रतिनिधिमंडल के द्वा-रा खाताधारिओं के भुगतान से संबंधित ज्ञापन उपायुक्त वरूण रंजन को उनके कार्यालय कक्ष में सौंपा गया। मौके पर जिला सहकारिता पदाधिकारी भी मौजूद थे।ज्ञापन सौंपने के उपरांत उपायुक्त ने वार्ता के क्रम में प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त किया कि गरीबों की राशि किसी भी कीमत पर डुबने नहीं दिया जाएगा। जितने लोगों को ऋण लैम्पस के द्वारा दिया गया है उसकी वसुली कर जमाकर्ताओं को भुगतान किया जाएगा।ऋण वसूली क्रमबद्ध रूप विभाग द्वारा किया जाएगा। ऋण वसूली नहीं होने पर अन्त में कुर्की जप्ती की कार्रवाई किया जाएगा। भुगतान मार्च में अनिकेत गोस्वामी सुशील साहा मुरारी मंडल जन संघर्ष मोर्चा के सह-संयोजक प्रकाश साहा कयूम अंसारी अमर सिंह, मोहम्मद असगर अली,अशोक कुमार भगत,गौतम सिंह,पिंटू कुमार दास, गणेश साह अमित ठाकुर गोपाल सिंह मोहम्मद मोबीन अंसारी विकास मंडल शकील अहमद सुशील साह अमर सिंह विशाल सिंह मोहम्मद आरिफ अंसारी मृणाल चंद्र साहा धनंजय साह अरुण साहा मोहम्मद नाजिम शाहिद खान मोहम्मद मुन्ना अंसारी अब्दुल अंसारी दीपक कुमार भगत किशोर भगत गोपाल दत्ता रंजीत राम सहित सैकड़ों की संख्या में खाताधारी मौजूद थे।

हिन्दी दैनिक
झारखण्ड देखो
खबरें, कहानी, लोग और बहुत कुछ

जैक 12वीं आर्टस में एकलव्य विद्यालय, काठीजोरिया का शत प्रतिशत रिजल्ट

31 में से 30 छात्राएं प्रथम श्रेणी से उत्तीर्ण, मुन्नी पहाड़िन बनी विद्यालय की टॉपर

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। झारखण्ड एकेडेमिक काउनसिल (जैक) द्वारा आयोजित 12वीं आर्टस 2023 की परीक्षा में प्लस टू एकलव्य मॉडल आवासीय बालिका विद्यालय, काठीजोरिया की शत प्रतिशत छात्राओं ने सफलता हासिल की है। यह लगातार 16वां वर्ष है जब एकलव्य मॉडल विद्यालय काठीजोरिया की शत प्रतिशत छात्राएं जैक द्वारा आयोजित 12वीं आर्टस की परीक्षा में सफल रही हैं। विद्यालय की उप प्रचार्य लेफ्टिनेंट सुमिता सिंह ने बताया कि जैक 12वीं आर्टस की परीक्षा में स्कूल की 31 छात्राएं शामिल हुई थी जिनमें से सभी छात्राएं पास हो गयी हैं। इनमें से 30 छात्राओं ने प्रथम श्रेणी से परीक्षा पास कर विद्यालय का मान बढ़ाया है जबकि केवल एक छात्रा द्वितीय श्रेणी से पास हुई हैं। 391 अंक (78.2 प्रतिशत) लेकर मुन्नी पहाड़िन विद्यालय की टॉपर रही है। 385 अंक (77 प्रतिशत) प्राप्त मारूफा किस्कु एवं उषा देहरी दोनों दूसरे और 377 अंक (75.4 प्रतिशत) लाकर सोनामुनी टुडू तीसरे स्थान पर रही है। विद्यालय की तीन टॉपर छात्राओं में से दो आदिम जनजाति पहाड़िया वर्ग से आती हैं जबकि टॉप 9 में जगह बनानेवाली में चार पहाड़िया छात्राएं शामिल हैं। छात्राओं के शत प्रतिशत सफलता पर स्कूल की प्राचार्या श्रीमती करूणा शर्मा ने छात्राओं के साथ ही उनके अभिभावकों और स्कूल के शिक्षक-शिक्षिकाओं को बधाई दी है। स्कूल की शिक्षक सुखमती सोनार, रिंकी ठाकुर, जहान्वी, सुजाता झा, पुष्पलता झा, संजीता मराण्डी, मरियम, रंजु कुमारी, अनादी गोराई, डीपी गुप्ता, आकाश मंडल, दीनबंधु, मृणालनी हांसदा, पूजा, नारायण सिंह, रजनीश कुमार और नीतेश कुमार आदि ने जैक 12वीं आर्ट्स की परीक्षा में विद्यालय के बेहतर रिजल्ट पर छात्राओं को बधाई दी है।

● एकलव्य विद्यालय की टॉप-9 छात्राए

1. मुन्नी पहाड़िन–391 (78.2)
2. मारूफा किस्कु – 385 (77)
2. उषा देहरी – 385 (77)
3. सोनामुनी टुडू – 377 (75.4)
4. अमिता बेसरा– 374 (74.8)
5. जानू मुर्मू – 369 (73.8)
6. नीतू सोरेन – 360 (72)
7. सुमिता मराण्डी– 359 (71.8)
8. महारानी हांसदा– 358 (71.6)
9. मुनी माल्तो– 356 (71.2)
9. मालोती बास्की– 356 (71.2)

संक्षिप्त समाचार

वारंटी गया जेल

झारखंड देखो/प्रतिनिधि। दुमका। गोपीकांदर थाना कांड संख्या 28/21 दिनाक 28/11/21धारा 353/504/506आईपीसी के वारंटी महेश्वर दास उर्फ मिलन दास पिता स्व राजेश्वर दास सा खरौनी बाजार थाना गोपीकांदर ज़िला दुमका के वारंटी को 30/5/23 को न्यायिक हिरासत में भेजा गया।

मन का मिलन पखवाड़ा' कार्यक्रम मे लोगों की भीड़ उमड़ी, कार्यक्रम मे कई दम्पति को सुलह कर आपस मे मिलाया

झारखंड देखो/प्रतिनिधि। दुमका। जिला विधिक सेवा प्राधिकार, दुमका द्वारा मंगलवार को दूसरे दिन मन का मिलन पखवाड़ा का कार्यक्रम आयोजित किया गया। आयोजित कार्यक्रम मे कई दम्पति के पारिवारिक विवाद का सफलता पूर्वक निपटारा किया गया। प्राधिकार के सचिव विश्वनाथ भगत ने बताया कि 17 दिनों तक चलने वाले इस कार्यक्रम मे अधिक से अधिक लोगों के मामलों का निष्पादन करना इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य है। कार्यक्रम न्याय सदन, टेन कोर्ट भवन के अलावे जिले के सभी दस प्रखंडो मे आयोजित किया जा रहा है, जहाँ के पीएलवी के सहयोग से पम्पलेट के जरीये लोगों को जागरूक किया जा रहा है। इसके अलावे कार्यक्रम के लिए व्यवहार न्यायलय मे न्याय सदन सहित चार बेंच बनाये गये जहाँ मिडयेटर, टेली लॉ की अधिवक्ता , विभिन्न थानो की पुलिस अधिकारी और सहयोग के लिए पी एल वी, महिला थानेदार मौजूद थे। इस कार्यक्रम मे मुफ्त परामर्श की सेवाएं दी जा रही है। कार्यक्रम मे लंबित या मुकदमा पूर्व स्तर के मामलों का आवेदन लिया जा रहा है और सुझाव भी दिये जा रहे है । यह 29 मई से 14 जून तक सुबह 07 से दोपहर 12 बजे तक चलेगा जो डालसा कार्यालय में प्रशिक्षित मध्यस्थ लोगों के बीच समस्याओं का निपटारा करेंगे., कार्यक्रम मे विभिन्न थानों के अधिकारी भी मध्यस्थ के रूप में लोगों को सलाह दे रहे हैं।

समर क्रिकेट कैंप के अभ्यास सत्र में 87 बच्चों ने भाग लिया

झारखंड देखो/प्रतिनिधि। दुमका। दुमका जिला क्रिकेट संघ के तत्वाधान में चल रहे समर क्रिकेट कैंप के दूसरे दिन बच्चों ने मुख्य बल्लेबाजी कोच सीएम झा से बल्लेबाजी की तकनीक सीखी जबकि गेंदबाजों को अमितेश कुमार ने गेंदबाजी के टिप्स दिए। अभ्यास सत्र में कुल 87 बच्चों ने भाग लिया। सत्र के उपरांत बच्चों के उत्साहवर्धन के लिए पूर्व जिला खिलाड़ी सह दुमका जिला क्रिकेट संघ के उपाध्यक्ष अधिवक्ता विवेक नंदन और और पूर्व जिला खिलाड़ी एवं कार्यकारिणी सदस्य मोहम्मद सिकंदर बक्श विशेष रुप से उपस्थित थे। कई बच्चों के अभिभावकों ने भी इस अभ्यास सत्र का कड़ी धूप में भी बैठकर आनंद उठाया। साथ ही इस अवसर पर बच्चों के समर कैंप के सफल संचालन हेतु जिला क्रिकेट संघ के संयुक्त सचिव अमित रंगराजन एवं उमेश राउत और कोषाध्यक्ष सुरेश मोदी के अलावा संघ के पदाधिकारी उपाध्यक्ष संजय तिवारी कार्यकारिणी सदस्य जितेश कुमार रोशन ,आलोक कुमार सिंह एवं चंद्र किशोर सिंह भी उपस्थित रहे। जिला क्रिकेट संघ के सचिव भास्कर अजीत सिंह ने कहां की और भी जो बच्चे आना चाहते हैं आ सकते हैं। भविष्य में हम लोग दुमका जिला में महिला क्रिकेट के लिए भी प्रयासरत हैं आगे चलकर उनके लिए भी ऐसा प्रयास किया जाएगा।

धान लदा एलपी ट्रक अनियंत्रित होकर पलटा, चालक व उप चालक हुए घायल

झारखंड देखो/प्रतिनिधि। दुमका। दुमका रामपुरहाट मुख्य मार्ग के शिकारीपाड़ा पेट्रोल पंप के समीप धान लदा एलपी ट्रक लगभग सुबह के 4:00 बजे के करीब अनियंत्रित होकर पलट गया। इस दुर्घटना में चालक व उप चालक को हल्की चोटें भी आई है। गनीमत रही कि आसपास ग्रामीण नहीं थे वरना एक बड़ी दुर्घटना भी हो सकती थी। पूछताछ करने पर चालक ने बताया कि वह बिहार से पश्चिम बंगाल के बर्दवान की ओर जा रहे थे। मौके पर शिकारीपाड़ा की पुलिस घटनास्थल पर पहुंचकर छानबीन में जुट गई।

उच्च शिक्षा पर तीन दिवसीय आवासीय कार्यशाला संपन्न

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। संताल अकादमी, सिदो कान्हु मुर्मू विश्वविद्यालय दुमका, एकलव्य इंडिया फाउंडेशन एवं कल्याण विभाग दुमका के संयुक्त तत्वावधान में तीन दिवसीय आवासीय देर शाम संपन्न हुआ। इसमें सिदो कान्हू मुर्मू विश्वविद्यालय दुमका के अंतर्गत विभिन्न कॉलेजों से कुल 60 प्रतिभागियों ने भाग लिया था। प्रशिक्षण हिजला में आयोजित किया गया था। प्रशिक्षण का कार्यभार स्मिता एवं उसके टीम एकलव्य इंडिया फाउंडेशन संभाला जबकि विभिन्न मार्गदर्शन एवं हौसला अफजाई करने का काम सिदो कान्हू मुर्मू विश्वविद्यालय दुमका के कुलपति प्रो (डॉ) सोनाझारिया मिंज एवं उपायुक्त दुमका रवि शंकर शुक्ला ने किया। कार्यशाला को सुचारू रूप से चलाने के लिए सभी प्रकार के दायित्व का निर्वहन जिला कल्याण पदाधिकारी संजय कच्छप ने किया।प्रशिक्षण शिविर में उपस्थित प्रतिभागियों को सरकार द्वारा मिलने वाले विभिन्न प्रकार के छात्र कल्याणकारी योजना एवं विभिन्न प्रकार की छात्रवृत्ति आदि का जानकारी दिया गया। साथ ही साथ उच्च शिक्षा एवं विभिन्न प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय में दाखिला लेने एवं सुविधा प्राप्त करने के बारे में विस्तार से बताया गया। साथ में आवेदन से लेकर के परीक्षा तैयारी करने तक के बारे में जानकारी दिया गया। अधिक से अधिक आदिवासी एवं दलित छात्रों को उनके हित में चलाए जा रहे जन कल्याणकारी योजना के द्वारा देश विदेश एवं प्रतिष्ठित कॉलेज में शिक्षा प्राप्त करने के अवसर के बारे में बताया गया।इस अवसर पर दुमका के उपायुक्त ने विभिन्न समय पर पहुंचकर छात्रों को सफलता के गुर बताया साथ ही साथ सिदो कान्हू मुर्मू विश्वविद्यालय दुमका के कुलपति प्रो. (डॉ) सोनाझारिया मिंज ने भी इस अवसर पर पहुंचकर छात्रों को उच्च शिक्षा के अवसर, गुणवत्ता और उसका लाभ उठाने के बारे में बताया।इस काम को सफल बनाने में संताल अकादमी के सचिव डॉ सुशील टुडू, संताल अकादमी के उपाध्यक्ष डॉ. सुमित्रा हेंब्रम, स्नातकोत्तर संताली विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष डॉ शर्मिला सोरेन, प्रो होलिका मरांडी, निर्मल मुर्मू, डॉ विनोद मुर्मू, शिध्दोर हांसदा आदि ने महत्वपूर्ण योगदान निभाया।

भारत विश्व गुरु बने इसके लिए जरूरी है उच्च शिक्षा में गुणात्मक शोध हो: डॉ विनोद कुमार

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। सिदो कान्हु मुर्मू विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर मनोविज्ञान विभाग में पीएचडी कोर्स वर्क - 2022 के 'प्रोग्रेसिव रिसर्च टीम' की एक बैठक मनोविज्ञान विभागाध्यक्ष सह कोर्स कॉर्डिनेटर डॉ विनोद कुमार शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित की गई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विभागाध्यक्ष डॉ विनोद कुमार शर्मा ने कहा भारत विश्व गुरु बने इसके लिए जरूरी है उच्च शिक्षा में गुणात्मक शोध हो। शोध प्राथमिक आकड़ों पर आधारित हो, नई ज्ञान, नई उम्मीद व नई कौशलों को देने वाला शोध हो । डॉ शर्मा ने शोध की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वास्तविक शोध का लाभ तब होता जब इसका फायदा समाज को मिलता है। शोध न केवल वैज्ञानिकता के कसौटी पर कसा होना चाहिए बल्कि तर्क, अनुभव व यथार्थ को दर्शाने के साथ- साथ शोध परिणामों की विश्वसनीयता व वैद्यता का वकालत करने वाला भी होना चाहिए। बिना शोध चरणों का अनुसरण किये बेग़ैर संदर्भित बातों को जैसे- तैसे रख देना शोध की अस्मिता के साथ खेलबाड़ करना है। जिससे समाज को न तो कोई फायदा होता है और न ही योजनाओं व नीतियों के निर्धारण में लाभ ही कोई। मौके पर फील्ड रिसर्च वर्क को प्रस्तुत कर रहे शोधार्थियों को वैज्ञानिक शोध चरणों के अनुरूप कार्य करने की सलाह दी तो वही पाए गए कमियों में आवश्यक सुधार लाने को भी कहा जिससे समाज को बातों को समझने व अनुसरण करने में आसानी हो ।प्रोग्रेसिव टीम के शोधार्थियों में नूतन कुमारी, संदीप शर्मा, दीपक कुमार, दशरथ महतो, मुनि हाँसदा, आदि मौजूद थे तो फील्ड वर्क पेपर प्रेजेंटेशन में दिव्या कुमारी, हीना परवीन, ज्योति निर्मला टुडू, दिव्या कुमारी, मनोज भगत, आदि शामिल थी।

संथाली भाषा के लिए ओलचिकी लिपि को व्यवहार में लाने की आवश्यकता

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। ओलचिकी लिपि प्रचार-प्रसार अभियान के दौरान दुमका जिला, मसलिया प्रखंड के किशोरायडी, लताबनी, पावरुडी, केन्दडंगल आदि गांव में सभा किया गया। प्रचार के दौरान माझी बाबा ने कहा ओलचिकी लिपि का आविष्कार तो 1925 में उड़ीसा में जन्मे पंडित रघुनाथ मुर्मू ने किया था। ओलचिकी लिपि को सांथाली भाषा के लिए पश्चिम बंगाल, उड़ीसा, असम राज्य सहित पड़ोसी देश नेपाल देश मान्यता देते हुए प्राथमिक स्तर पर पढ़ाई आरंभ कर दिया गया। वर्तमान केंद्र सरकार के नई शिक्षा नीति 2020 के तहत क्षेत्रीय भाषाओं में मातृभाषा से पठन-पाठन होने पर प्राथमिक स्तर पर बच्चों को काफी लाभ व सहायता मिलेगा। इसीलिए संथाली भाषा के लिए ओलचिकी लिपि को व्यवहार में लाने की आवश्यकता है। जिससे आदिवासी संथाल समाज का विकास हो सके। ओलचिकी लिपि के प्रचारक दुर्गा चरण मुर्मू माझी बाबा सह प्रेस प्रवक्ता पूर्वी सिंहभूम ने कहा कि वर्तमान सरकार के विभाग द्वारा ओलचिकी लिपि का अपमान किया जा रहा है। इसी संदर्भ में आगामी 1 जून 2023 को स्थान- वीर शहीद बुधु भगत भवन हरमू, रांची में समय सुबह 11 बजे से पारंपरिक स्वशासन व्यवस्था संथाल समाज के अगुआ माझी बाबा, परगना बाबा, बुद्धिजीवी, सामाजिक कार्यकर्ताओं का बैठक आयोजन किया गया है, जिसमें समाज के काफी संख्या में प्रतिनिधि शामिल होंगे बैठक में ओलचिकी के संरक्षण एवं संवर्धन हेतु उग्र आंदोलन की रणनीति तैयार की जाएगी। संथाल समाज के लोगों से अपील है कि भारी संख्या में शामिल होकर बैठक को सफल बनाएं।प्रचार प्रसार अभियान में मुख्य रूप से संदिप किस्कू, बाबूली किस्कू, जयंत हांसदा, हेमाशोर किस्कू, आमाचांद किस्कू, उकिल मुर्मू, बाबूराम टुडू, दुलाल चांद हांसदा, आलोसी टुडू, सुमी टुडू, सुनिता हांसदा आदि काफी संख्या में समाज के महिला पुरुष उपस्थित शामिल थे।

गाँव में दो बोरिंग अथवा जलमीनार की अति आवश्यकता

झारखंड देखो/प्रतिनिधि। दुमका। भोड़बाद पंचायत के विभिन्न गाँवों का प्रखंड विकास पदाधिकारी जरमुण्डी फुलेश्वर मुर्मू के द्वारा निरीक्षण एवं भ्रमण किया गया । उपायुक्त के निदेश के आलोक में सभी गाँवो के जलस्त्रोतो का जायजा लिया गया । जिसमें पाया गया कि सभी जलस्त्रोत गर्मी की वजह से पुरी तरह सुख चुके हैं । बसगोहरी गाँव के ग्रामीणों द्वारा बतलाया गया कि इस गाँव में दो बोरिंग अथवा जलमीनार की अति आवश्यकता है ।फलस्वरूप प्रखंड विकास पदाधिकारी द्वारा आश्वासन दिया गया कि उचित सुविधा प्राप्त हो ऐसा पूर्ण रूप से प्रयास किया जायेगा निरीक्षण के क्रम में वैसे बच्चों को चिन्हित किया गया जो कुपोषण के शिकार थे । वैसे बच्चों के माता-पिता/अभिभावक को जल्द से जल्द बच्चे को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती करने को कहा गया ।साथ ही इलाज के दौरान मिलने वाले सभी लाभों से अवगत कराया गया । इसके अलावा ग्रामीणों को सावित्रि बाई फूले योजना के तहत मिलने वाले लाभों के बारे में अवगत कराया गया । तथा वैसे किशोरियों की पहचान की गयी जो अष्टम अथवा उससे उच्च वर्ग में पढ़ रही है किंतु उन्हें इस योजना के तहत किसी भी प्रकार का लाभ नही प्राप्त हुआ है । वैसे किशोरियों को आश्वासन दिया गया कि जल्द से जल्द जाँच कर इस योजना के तहत मिलने वाली राशि का लाभ प्रदान किया जायेगा ।इस दौरान विभिन्न गाँवों में ग्रामीणों से पेंशन एवं राशन से संबंधित मामलों की जानकारी ली गयी कि योग्य लाभुकों को ससमय पेंशन प्राप्त होता है या नही । एवं उन्हें प्रखंड विकास पदाधिकारी के द्वारा आवेदन जमा करने को कहा गया एवं आश्वासन दिया गया कि उन्हें जल्द ही पेंशन लाभ मुहैया कराया जायेगा ।साथ ही खेती करने हेतु कृषि विभाग से जो बीज उपल्ब्ध करायी जाती है, इसके लिऐ ग्रामीणों को कलस्टर बनाने हेतु निदेश दिया गया ताकि सामुहिक रूप से ससमय किसानों को बीज उपलब्ध कराया जा सके । निरीक्षण के क्रम में मुख्य रूप से प्रखंड समन्वयक गौतम वर्मा, पंचायत सचिव मोड्ड युनुस,मुखिया एवं ग्रामीण उपस्थित थे ।

प्रवेश परीक्षा शांतिपूर्ण एवं कदाचारमुक्त सम्पन्न

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। उत्कृष्ट विद्यालय प्लस टू जिला स्कूल, दुमका में सीबीएसई के अंतर्गत अंग्रेजी माध्यम से कक्षा 06 एवं कक्षा 07 में नामांकन हेतु प्रवेश परीक्षा 2023 उत्कृष्ट विद्यालय प्लस टू जिला स्कूल, दुमका परीक्षा केन्द्र में जिला शिक्षा पदाधिकारी रेणुका तिग्गा के कुशल दिशानिर्देशन में मंगलवार को शांतिपूर्ण एवं कदाचारमुक्त सम्पन्न हो गया। जिला शिक्षा पदाधिकारी रेणुका तिग्गा ने जिला शिक्षा अधीक्षक आशीष कुमार हेम्ब्रम, एडीपीओ रविन्द्र सिंह,प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी कैलाश पति पातर एवं प्रभारी प्राचार्य सह केंद्राधीक्षक डॉ0 सत्येन्द्र कुमार सिंह के साथ सभी परीक्षा कक्ष का औचक निरीक्षण किया। औचक निरीक्षण में परीक्षा शांतिपूर्ण एवं कदाचारमुक्त पाया गया। जिला शिक्षा पदाधिकारी रेणुका तिग्गा ने बताया कि इस प्रवेश परीक्षा में सफल अभ्यर्थियों का नामांकन सीबीएसई के अंतर्गत उत्कृष्ट विद्यालय प्लस टू जिला स्कूल, दुमका में अंग्रेजी माध्यम से कक्षा 6 एवं कक्षा 7 में होगा।जिला शिक्षा पदाधिकारी श्रीमती तिग्गा ने बताया कि झारखंड सरकार द्वारा उत्कृष्ट विद्यालय की परिकल्पना एवं इसको तेजी से धरातल पर उतारना शिक्षा के क्षेत्र में एक युगान्तकारी एवं क्रांतिकारी कदम है। अब आमजनों के बच्चे भी उत्कृष्ट विद्यालय में उत्कृष्ट शिक्षा प्राप्त कर पाएंगे। जिला शिक्षा पदाधिकारी श्रीमती तिग्गा ने बताया कि उत्कृष्ट विद्यालय प्लस टू जिला स्कूल, दुमका अब स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग झारखंड सरकार द्वारा डिस्ट्रिक सी एम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस, दुमका के रूप में नामित किया गया है।जिला शिक्षा पदाधिकारी ने बताया कि झारखंड सरकार द्वारा दुमका जिला में चार उत्कृष्ट विद्यालय संचालित हो रहे है। चारो विद्यालय में आज प्रवेश परीक्षा का आयोजन हो रहा है। उत्कृष्ट विद्यालय प्लस टू जिला स्कूल दुमका के प्रभारी प्राचार्य सह केंद्राधीक्षक डॉ0 सत्येन्द्र कुमार सिंह ने बताया कि कक्षा 6 के लिए कुल आवंटित 140 परीक्षार्थियों में 128 उपस्थित एवं 12 अनुपस्थित थे जबकि कक्षा 7 के लिए कुल आवंटित 210 परीक्षार्थियों में 184 उपस्थित एवं 26 अनुपस्थित थे। उत्कृष्ट विद्यालय में प्रवेश परीक्षा देने वाले छात्र एवं उनके अभिभावक काफी खुश दिखाई दे रहे थे। अभिभावकों ने बताया कि झारखंड सरकार द्वारा लिया गया उत्कृष्ट विद्यालय का निर्णय बहुत ही अच्छा है। अब हमारे बच्चे भी अच्छी शिक्षा ग्रहण कर सकेंगे। परीक्षा के सफल संचालन में प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी कैलास पति पातर,प्लस टू जिला स्कूल,दुमका के सहायक परीक्षा नियंत्रक प्रकाश कुमार घोष, वीक्षक राजीव कुमार गुप्ता,संजीव कुमार सिंह, विजय कुमार दूबे, रंजीत लायक, राजीव कुमार गुप्ता, गौरांग चटर्जी, लखी टुडू,दिलीप कुमार, विद्यासुन्दर नन्दी,रामप्रसाद यादव, शिवराम सिमोन टुडू,अंजू एलीना किस्कू, पार्थ प्रतिम कुण्डू, राजेश कुमार साह, पार्थ प्रतिम कुण्डू,हरेकृष्ण झा सुबोध कुमार मंडल, सुचरिता मित्रा,सुप्रिया भारद्वाज, कैलाश मंडल, लनिन सिन्हा, शिक्षणेत्तर कर्मचारी सन्नी कुमार, गुलशन सोरेन,सुखदेव पाल, सुजीत झा,एनोस सोरेन एवं टेरेसा टूडू की भूमिका महत्वपूर्ण रही।

मंदिर परिसर में निःशुल्क खीर का वितरण

झारखंड देखो/प्रतिनिधि। दुमका। हर हर महादेव सेवा समिति का एक वर्ष पूर्ण होने पर तथा गंगा दशहरा के शुभ अवसर पर समिति के संरक्षक सह अध्यक्ष प्रमोद कुमार राउत के नेतृत्व में धर्मस्थान मंदिर परिसर में निःशुल्क खीर वितरण किया गया. उक्त अवसर पर समिति के कोषाध्यक्ष मुकेश वर्मा,बिट्टू ,सुशील कुमार पासवान ने अपने हाथों से खीर वितरण किया।

संक्षिप्त समाचार

डुमरी के मुखिया संघ की हुई बैठक

डुमरी। डुमरी प्रखण्ड अंतर्गत सैंतीस पंचायतों के मुखिया की एक आवश्यक बैठक आयोजित की गई।

यह बैठक मंगलवार को इसरी उत्तरी पंचायत सभागार में हुई।बैठक में प्रखण्ड के सभी पंचायतों के मुखिया एवं पंचायत सचिव उपस्थित हुए।इस दौरान पंचायतों का विकास कैसे करना है और विकास योजनाओं को धरातल पर कैसे उतारना है,इस पर मंथन किया गया। साथ ही योजनाओं का लाभ योग्य लाभुकों को मिले व मनरेगा योजना में मजदूरों को योजनाओं में कैसे अधिक से अधिक काम मिल सके इसपर भी विचार विमर्श किया गया।बैठक में उपस्थित मुखियाओं से संघ के अध्यक्ष जगदीश महतो ने कहा कि सरकार पंचायत सचिवालय के रख रखाव के लिए 15 हजार प्रति माह देने की बात कह सभी मुखिया से बैंक खाता खुलवा लिया गया। लेकिन आज तक एक भी पैसा नहीं भेजा गया। इसलिए हम सब इस मंच के माध्यम से सरकार से यह मांग करते हैं कि सूबे की सरकार अविलंब पैसे भेजे।बैठक में मुखिया शोभा जायसवाल,रीना कुमारी,सीतारामतुरी,जागेश्वरयादव,नुरूद्दीनअंसारी,मिनाक्षी देवी, सबीना खातुन,सायराखातुन,जागेश्वर महतो,जितेन्द्र दास,रेहाना खातुन,कलावतीदेवी,परमेश्वर तुरी मुखिया प्रतिनिधि अजित माथुर,अनिल रजक,असलमअंसारी,सुबोध मिश्रा,पंचायत सचिव दिनेश्वरमहतो,पन्नालाल,गौरीशंकर, रामचन्द्रवर्मा,नन्देश्वर राय आदि उपस्थित थे।

पत्रकार संगठन चंद्रपुरा प्रेस क्लब के पदाधिकारियों को चन्द्रपुरा मुखिया ने किया सम्मानित

बेरमो /चंद्रपुरा। चंद्रपुरा प्रखंड के नवगठित पत्रकारों की संगठन चंद्रपुरा प्रेस क्लब के पदाधिकारियों को चंद्रपुरा पंचायत के मुखिया अनुग्रह नारायण सिंह ने चंद्रपुरा स्थित विकास सिनेमा हॉल में सम्मान समारोह आयोजित कर दो पंचायत समिति सदस्य सरिता बरनवाल, धीरन हजाम, एवं पूर्व मुखिया राधिका देवी ने संयुक्त रूप से प्रेस क्लब के सभी पदाधिकारियों को, पुष्पगुच्छ देकर पुष्पमाला पहनाकर एवं सोल ओढ़ाकर सम्मानित किया। जहां मुख्य रूप से प्रेस क्लब के सभी पदाधिकारी उपस्थित थे। इस दौरान पत्रकारों के सम्मान में मुखिया अनुग्रह नारायण सिंह ने कहा कि पत्रकार हमारे देश के संविधान के चौथा स्तंभ होने के साथ-साथ समाज का आईना होते हैं। इनके सराहनीय कार्य को हम सलाम करते हैं। पंचायत समिति सदस्य सरिता बरनवाल ने कहा की पत्रकार समाज के वो अंग हैं जो अवेतनिय होने के बावजूद भी निस्वार्थ भाव से अपने कार्य का निर्वहन करते हैं। वहीं पंचायत समिति सदस्य धिरन हजाम ने कहा की पत्रकारों को सम्मानित करना अपने आप को सम्मान पाने के समान होता है। पूर्व मुखिया राधिका देवी ने कहा की चंद्रपुरा में पत्रकारों की संगठन बनने से बहुत ही खुशी की बात है। इसी तरह पत्रकार आपस में भाईचारा और एकजुटता बनाकर रखें और पूरे राज्य में मिसाल पेश करें।

ग्राम स्तर पर शत प्रतिशत स्वच्छता कवरेज हेतु एक दिवसीय बैठक का किया गया आयोजन

अपने घरों के साथ-साथ आसपास के क्षेत्रों को भी स्वच्छ रखने में अपनी भूमिका करें सुनिश्चितः उप विकास आयुक्त

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

देवघर। स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) चरण-2 के तहत ग्राम स्तर पर शत प्रतिशत स्वच्छता कवरेज हेतु एक दिवसीय बैठक का आयोजन विकास भवन के सभागार में किया गया। इस दौरान उपविकास आयुक्त द्वारा जानकारी दी गयी कि स्वच्छता भारत मिशन (ग्रामीण) कार्यक्रम वर्ष 2014 से चलाया जा रहा है, जिसके अंतर्गत ग्राम स्तर पर शत-प्रतिशत योग्य लाभुकों की पहचान कर उनके घरों में व्यक्तिगत घरेलू शौचालयों का निर्माण कराया गया है,जिसके आधार पर ही पंचायतों को ओडीएफ घोषित किया गया है। इसके साथ ही वर्तमान में सरकार से यह निर्देश प्राप्त है कि ग्राम स्तर पर वैसे कोई लाभुक/परिवार जो व्यक्तिगत घरेलू शौचालयों के लाभ से वंचित रह गये हो, उन्हें शौचालय की सुविधा दिया जाना है। इस संदर्भ में कोई भी लाभुक व्यक्तिगत घरेलू शौचालयों के लाभ हेतु सीधे रूप से अपना आवेदन जल सहिया के माध्यम से अथवा ऑनलाईन वेबसाईट रे. ॅङ्ग५.ल्ल के माध्यम से दे सकता है। आगे उन्होंने कहा कि समय-समय पर ग्राम स्तर पर नये परिवार का अस्तित्व होता है। अथवा संयुक्त परिवार से लोग अलग होकर नये घर का निर्माण उपरांत वे एकल परिवार के रूप में निवास करते है। ऐसे में यह संभव है कि ग्राम स्तर पर कुछ योग्य लाभुक शौचालय की सुविधा से वंचित रह गये होंगे। ऐसे में आवश्यक है कि वंचित रह गये वैसे लाभुकों को शौचालय की सुविधा दी जा सके। आगे जिला स्तरीय बैठक के दौरान संबंधित विभाग यथा पेयजल एवं स्वच्छता, पंचायती राज एवं ग्रामीण विकास विभाग के पदाधिकारियों, सभी प्रखण्ड विकास पदाधिकारी कनीय अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, के अधिकारियों ने उपरोक्त विषय पर किये जाने वाले कार्यों पर विस्तृत चर्चा की गयी।

इसके अलावे बैठक के दौरान उप विकास आयुक्त डॉ कुमार ताराचन्द ने संबंधित अधिकारी को निदेशित करते हुए कहा कि अपने-अपने क्षेत्र अंतर्गत प्रत्येक स्तरों यथा- ग्राम पंचायत प्रखण्ड एवं जिला स्तर पर शत-प्रतिशत शौचालय की उपलब्धता एवं उपयोगिता से संबंधित घोषणा-पत्र दिनांक 10.07.2023 तक सभी ग्राम पंचायत मुखिया के माध्यम से प्रखण्ड विकास पदाधिकारी को उपलब्ध करायी जाय। इसके उपरांत प्रखण्ड स्तर से संबंधित घोषणा-पत्र दिनांक 20.07.2023 तक जिला स्तर पर एवं अंतिम रूप से आपके द्वारा दिनांक 31.07.2023 तक निदेशालय, रइट (ऋ) को उपलब्ध कराने का निदेश दिया। साथ ही प्रत्येक माह की दो तारीख को स्वच्छता सभा किये जाने का निर्देश दो विभाग यथा-पंचायती राज एवं पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के अधिकारियों को दिया गया। वहीं आगामी माह यथा जून में आयोजित ग्राम सभा में छुटे हुए लाभुकों की पहचान की जाय एवं लाभुकों के द्वारा स्वयं से शौचालय के निर्माण हेतु उन्हें प्रेरित किया जाय। साथ ही स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) चरण 1 में स्वयं से लाभुकों के द्वारा शौचालय निर्माण उपरांत सीधे रूप से उनके खाते में प्रोत्साहन राशि हस्तांतरित किये जाने का प्रावधान है। इस क्रम में यह भी ध्यान दिया जाय कि स्थानीय स्तरों पर राजमिस्त्री/रानी मिस्त्री की पहचान कर उन्हें शौचालय निर्माण संबंधित कार्यों का प्रशिक्षण प्रदान किया जाय, ताकि ससमय शौचालयों के निर्माण में उनका सहयोग लिया जा सके। इसके साथ ही जुलाई माह में आयोजित ग्राम सभा में यह प्रस्ताव पारित किया जाय कि हमारे गांव के प्रत्येक घरों में शौचालयों की व्यवस्था है। कोई भी घर छुटा नहीं है एवं सभी लोगों के द्वारा शौचालयों का उपयोग किया जाता है।

आयोजित बैठक में देवघर जिलांतर्गत सभी 194 पंचायतों लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करने के साथ नए शौचालयों के निर्माण व शत प्रतिशत शौचालयों के प्रयोग एवं इनके ना प्रयोग होने से होने वाली दुष्प्रभावों से लोगो को रूबरू कराया जाए। साथ ही उन्होंने कहा कि स्वच्छ भारत मिशन (ग्रमीण) के तहत सिर्फ लाभुकों के घरो में शौचालयों का निर्माण कराना ही नही है बल्कि शौचालयों के प्रयोग के प्रति लोगो के व्यवहारों में परिवर्तन लाना भी है, ताकि हम अपने आस-पड़ोस को स्वच्छ बनाने के साथ-साथ अपने आनेवाली पीढ़ियों को स्वच्छ व स्वस्थ्य समाज दे सके

इस दौरान उपरोक्त के अलावे जिला पंचायती राज पदाधिकारी रणवीर सिंह,कार्यपालक अभियंता अभियंता पेयजल एवं स्वच्छता विभाग संजय प्रसाद,जिला जनसम्पर्क पदाधिकारी रवि कुमार,जिला समाज कल्याण पदाधिकारी श्रीमती रून्नु मिश्रा,कनीय अभियंता पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल,उप परियोजना निदेशक मंटू कुमार, विभिन्न प्रखण्डों के प्रखण्ड विकास पदाधिकारी, जिला समन्वयक मधुपुर, श्री पंकज भूषण पाठक, डीसी सेल से देवांजली मंडल, सहायक जनसम्पर्क पदाधिकारी रोहित कुमार विद्यार्थी, विभिन्न प्रखण्डों के प्रखण्ड समन्वयक, संबंधित विभाग के अधिकारी व कर्मी आदि उपस्थित थे।

गोमिया अंचल में शांति व सौहार्द वातावरण तथा अपराधमुक्त किया जाएगा

गोमिया अंचल के नये पुलिस निरीक्षक ने पदभार ग्रहण किया

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

गोमिया, गोमिया अंचल के नये पुलिस निरीक्षक महेश प्रसाद सिंह ने मंगलवार को तेनुघाट स्थित पुलिस निरीक्षक कार्यालय में योगदान दिया। इस दौरान पुलिस निरीक्षक ने कहा कि गोमिया अंचल में लोगों के बीच शांति व सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाने का प्रयास किया जाएगा। वहीं क्षेत्र को अपराधमुक्त किया जाएगा. कहा कि कोई भी आमलोग अपनी समस्याओं को लेकर कार्यालय में उनसे मिल सकते हैं। जानकारी के अनुसार पुलिस निरीक्षक श्री सिंह इससे पूर्व बोकारो स्टील सिटी थाना के पुलिस निरीक्षक सह थाना प्रभारी थे। वहीं गोमिया अंचल के पुलिस निरीक्षक बिनोद गुप्ता का अन्यत्र स्थानांतरण हो गया है।

मनरेगा में व्याप्त भ्रष्टाचार के खिलाफ आजसू ने दिया धरना

रविराज/नावाडीह (बेरमो) ।

मनरेगा में व्याप्त भ्रष्टाचार के अलावा ग्यारह सूत्री मांगों को लेकर नावाडीह आजसू प्रखंड कमेटी की ओर से मंगलवार को नावाडीह प्रखंड मुख्यालय के समीप एक दिवसीय धरना प्रदर्शन कार्यक्रम का आयोजन किया गया । यहां कार्यक्रम को संबोधित करते हुए आजसू के बोकारो जिलाध्यक्ष सचिन कुमार महतो ने कहा कि सरकार की विफलता व भ्रष्टाचार के खिलाफ यह कार्यक्रम मील का पत्थर साबित होगा । पूरे जिला में भ्रष्टाचार चरम पर है । आजसू कभी भ्रष्टाचार बर्दाश्त नहीं करेगी । ग्रामीण हित के लिए बनाए गए मनरेगा अभिशाप बन गया है । भ्रष्टाचार पर अंकुश नहीं लगने पर प्रखंड मुख्यालय गेट पर तालाबंदी किया जाएगा । उन्होंने कहा कि यह घोषणा मात्र की सरकार है । जनता को उसके हक व अधिकार से दूर करने वाले अधिकारी को बख्शा नहीं जाएगा । डुमरी विधानसभा प्रभारी यशोदा देवी ने कहा कि नावाडीह में मनरेगा में अधिकारी की ओर से लूट को बढ़ावा दिया जा रहा है । लंबे समय से एक ही पंचायत में जमे मनरेगा कनीय अभियंता के वजह से मनमानी चरम पर है । वहीं सप्ताह पंद्रह दिनों में रोजगार सेवकों का बार बार तबादला होने से मनरेगा काफी प्रभावित हो रहा है । उन्होंने खाद्य आपूर्ति विभाग द्वारा खाद्यान्न आपूर्ति में बंदरबांट को रोकने, योग्य लाभुकों को बगैर परेशान किए वृद्वा व विधवा पेंशन की स्वीकृति दिलाने, आंगनबांड़ी केन्द्रों में बच्चों की उपस्थिति बढ़ाने व सेविका सहायिका के बीच चल रहे विवाद को समाप्त करने, जमीन के दाखिल खारिज में हो रही अवैध उगाही को रोकने, छात्रों को आय, जाति व आवासीय प्रमाण पत्र बनाने में हो रही परेशानी से निजात दिलाने, आवास प्लस में छूटे योग्य लाभुकों का नाम जोड़ने, मनरेगा लाभुक के कार्यस्थल पर समाग्री पहुंचने के बाद आपूर्तिकर्ता को भुगतान करने, नावाडीह के विभिन्न पंचायतों में ग्राम पंचायत मद से लगाए गए सोलर पानी टंकी के गुणवत्ता की जांच करने की बात कही । साथ ही कही कि उनकी बातों पर पहल नहीं किए जाने पर नावाडीह प्रखंड मुख्यालय का गेट जाम किया जाएगा । कार्यक्रम को बोकारो जिला उपाध्यक्ष मोहन महतो, संस्थापक सदस्य अल्लाउदीन अंसारी, सांसद प्रतिनिधि दीपू अग्रवाल, पंसस गीता देवी आदि ने भी संबोधित करते हुए भ्रष्टाचार पर रोक लगाने की मांग की । धरना कार्यक्रम के उपरांत एक प्रतिनिधि मंडल नावाडीह बीडीओ संजय शांडिल्य से मिल बोकारो उपायुक्त के नाम एक ज्ञापन सौंपा । यहां संस्थापक सदस्य अल्लाउदीन अंसारी, बोकारो उपाध्यक्ष मोहन महतो, सचिव सुरेश महतो व बॉबी पटेल, संयुक्त सचिव अर्जुन महतो, प्रखंड अध्यक्ष मिश्रीलाल महतो, सचिव परमेश्वर महतो, महिला मोर्चा प्रखंड अध्यक्षा सादिया अंजुम, पंसस गीता देवी, सांसद प्रतिनिधि दीपू अग्रवाल, पूर्व जिप सदस्य टिकैत कुमार महतो, विक्की शर्मा, खेमलाल महतो, विजय महतो, संतोष उजागर, भेखलाल कानू, दीपक कुमार, सोनू चौधरी आदि उपस्थित थे ।

सीएचसी लेखा प्रबंधक के मनमाने रवैये से तंग स्वास्थ कर्मचारी संघ ने विधायक को दिया आवेदन

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। स्वास्थ्य कर्मचारी संघ शिकारीपाड़ा के प्रतिनिधिमंडल ने सामुदायिक स्वास्थ केंद्र शिकारीपाड़ा के लेखा प्रबंधक काशीनाथ झा के मनमाने रवैये को लेकर मंगलवार को शिकारीपाड़ा विधानसभा के झामुमो विधायक नलिन सोरेन से उनके काठीकुंड स्थित आवास में मुलाकात की एवं अपने साथ हो रही समस्याओं को लेकर विधायक को एक आवेदन भी दिया।आवेदन में स्वास्थकर्मियों ने बताया कि वर्तमान पदस्थापित चिकित्सा प्रभारी डॉ देवानंद मिश्रा जब से सीएचसी शिकारीपाड़ा के चिकित्सा प्रभारी नियुक्त किये गये है,सभी स्वास्थकर्मी एक सकारात्मक माहौल में पूरी निष्ठा से काम कर रहे है। इससे पूर्व पिछले 2 वर्षों में 5 चिकित्सा प्रभारी बदले जा चुके है।कर्मियों द्वारा विधायक को बताया गया कि लेखा प्रबंधक काशीनाथ झा को चिकित्सा प्रभारी द्वारा अस्पताल का सफल संचालन किया जाना रास नहीं आ रहा है।कर्मियों ने आवेदन में यह आरोप लगाया है कि लेखा प्रबंधक खुद सीएचसी का संचालन करना चाहते है। किसी न किसी प्रकार से चिकित्सा प्रभारी को परेशान करते रहते है। तबादला करवाने की धमकी देते है।कर्मियों के मुताबिक लेखापाल वर्ष 2008 से ही यहां पदस्थापित है।वह क्षेत्रीय कर्मचारियों व कार्यालय कर्मचारियों को उनकी बात न मानने पर प्रताड़ित करते है। कर्मियों को धमकी देते है कि जिससे जहां चाहे वहां काम लेंगे। प्रतिनिधिमंडल द्वारा विधायक श्री सोरेन से लेखा प्रबंधक काशीनाथ झा पर अनुशासनिक व प्रशासनिक कार्रवाई के साथ ही स्थानांतरण करने की मांग की गयी है।मौके पर विधायक ने इस मामले पर कार्रवाई को लेकर कर्मियों को आश्वस्त किया।इस संबंध में लेखापाल से बात करने पर उन्होंने स्वास्थकर्मियों द्वारा लगाये गये सारे आरोपो को बेबुनियाद बताया।

दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल योजना से संबंधित एक दिवसीय कार्यशाला

जिला परिषद अध्यक्ष, जिला परिषद सदस्य समेत अन्य जनप्रतिनिधि तथा उपायुक्त समेत अन्य पदाधिकारी कार्यशाला में हुए शामिल

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

जमशेदपुर। झारखंड स्टेट लाइवलीहुड प्रमोशन सोसाइटी, ग्रामीण विकास विभाग अंतर्गत जिला सभागार में दीन दयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल योजना से संबंधित एक दिवसीय उन्मुखीकरण कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथि जिला परिसद अध्यक्ष श्रीमती बारी मुर्मू, उपायुक्त श्रीमती विजया जाधव, डीपीएम जेएसएलपीएस एवं अन्य गणमान्य ने संयुक्त रूप से कार्यशाला का शुभारंभ किया तथा सभी अतिथि गणों का पौधा देकर स्वागत किया गया।

कार्यशाला का उद्देश्य पंचायती राज के सदस्य और झारखण्ड सरकार के विभिन्न विभागों के कर्मचारी को दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल योजना के बारे में विस्तार पूर्वक जानकरी देना एवं प्रखंड स्तर पर क्रियान्वित करना था । इस क्रम में बताया गया कि 18 से 35 वर्ष के ग्रामीण युवाओं युवतियों को सीआईए के द्वारा विभिन्न ट्रेडों में 3 से 12 माह तक का प्रशिक्षण देकर राज्य के विभिन्न जिलों एवं राज्य से बाहर रोजगार दिया जाता है। इसके अंतर्गत जिले के 1833 युवक युवतियों को अब तक अलग-अलग ट्रेडों में प्रशिक्षित कर 481 युवाओं को रोजगार एवं विभिन्न ट्रेडों में भेजा जा चुका है ।

» ग्रामीण परिवेश की युवक–युवतियों के पास कई विशेषताएं, कौशल विकास से सिर्फ निखारने की जरूरत... उपायुक्त

श्रीमती विजया जाधव ने कहा कि बाजार मांग के अनुरूप स्किल फ्रेमिंग होना चाहिए, इसके लिए लोगों को मोबिलाइज किया जाए। लोगों को कौशल विकास उपलब्ध कराने वाले कार्यालय आपस में समन्वय बनाकर कार्य करें, प्रत्येक कार्यक्रम की आईसी होनी चाहिए कार्यक्रमों की खानापूर्ति नहीं। वर्तमान में बाजार की आवश्यकता को ध्यान में रखकर ट्रेड में लोगों को निपुण बनाएं। लोगों को पुरानी मानसिकता से बाहर आने की आवश्यकता है क्योंकि कोई भी कार्य छोटा या बड़ा नहीं होता है। कार्यों में लोग नवाचार लेकर आ रहे हैं।

» परम्परागत व कॉमर्शियल अप्रोच के बाद अब इम्पोवेर्मेंट का समय

उपायुक्त ने कहा कि देश में बने उत्पाद का उपयोग विदेश में हो रहा है लेकिन जानकारी के अभाव के कारण हम अपने आप को उसे परिवेश में नहीं डाल पा रहे हैं । पहले परंपरागत एप्रोच था फिर कॉमर्शियल अप्रोच अब इम्पावरमेंट का समय है, जब तक हम इम्पावरमेंट नहीं होंगे तब तक विकास नहीं होगा । 30 से 40 प्रतिशत ही प्लेसमेंट हो रहा है बाकी डिग्री लेकर बैठे हैं । अब सेल्फ सफिशिएंट होने का समय है, लोगों का कम्युनिकेशन स्किल सुधार जाए जिससे विभिन्न क्षेत्र के लोगों के साथ संवाद स्थापित कर सकें। अंग्रेजी की शिक्षा भी जरूरी है, सफल व्यक्तियों की सफलता की कहानी लोगों को बताएं। महिलाओं एवं ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को कौशल स्किल से जोड़ने के लिए मोबिलाइज किया जाए। महिलाओं के सशक्तिकरण में स्किल की भूमिका विशेष है, अन्य जिलों की तरह यहां की महिलाओं को विभिन्न क्षेत्रों में आगे आने की आवश्यकता है।

केंद्र एवं राज्य सरकार कई प्रकार की कौशल प्रशिक्षण योजनाओं को चला रही है ताकि युवाओं को ट्रेनिंग देकर इन्हें रोजगार उपलब्ध कराया जा सके जिससे वे अपना भविष्य के साथ साथ देश के विकास में भी अपना पूरा योगदान प्रदान कर सकें।

उपायुक्त ने अपने सम्बोधन में दिशा निर्देश देते हुए कहा कि इस क्षेत्र में निरंतर कार्य करने होंगे ताकि आगे भी युवक एवं युवतियों को विभिन ट्रेड में प्रशिक्षण देकर उनका कौशल विकास किया जा सके तथा उन्हें रोजगार के नए अवसर प्रदान किया जा सके। युवाओं को हुनरमंद बनाने के लिए सरकार द्वारा यह योजना चलाई जा रही है, यह एक ऐसा अवसर है जिससे छुपी हुई प्रतिभा निखर कर सामने आ रही है। उन्होंने सुझाव देते हुए कहा कि ग्रामीण उत्पादों को बढ़ावा एवं इसकी पैकेजिंग की दिशा में भी आगे बढ़ा जा सकता है। कई गांव में कुछ खास उत्पाद होते हैं जिन्हें ग्लोबल मार्केट मिले तो न केवल गांव का विकास होगा बल्कि इससे ग्रामीणों की आमदनी होगी एवं उत्पाद ग्लोबल होगा। उन्होंने कहा कि गांव में युवक-युवतियों के पास कई ऐसी विशेषताएं हैं जिन्हें निखारने की जरूरत है। इस दिशा में लगातार कौशल विकास के लिए प्रशिक्षण दिए जाने का कार्य चलता रहे।

जिला परिषद अध्यक्ष ने दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल योजना से जुड़ने हेतु सभी को अपने स्तर से युवाओं को प्रेरित करने एवं गांव में अगर किसी के पास कोई खास प्रतिभा दिखे तो उन्हें इस योजना से जोड़ने हेतु प्रेरित किया। जिला परिषद अध्यक्ष ने जेएसएलपीएस की पूरी टीम को धन्यवाद करते हुए कहा कि जिले में जेएसएलपीएस द्वारा चलाई जा रही योजनाओं के तहत महिलाएं स्वावलंबी हो रही है एवं युवाओं को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। कई महिलाएं आज अपने पैर पर खड़ी हो सकीं है। उन्होंने कहा कि जिले में अन्य व्यवस्थाओं को सुदृढ़ किया जाएगा जिससे आने वाले दिनों में हॉस्पिटैलिटी मैनेजमेंट आदि का प्रशिक्षण भी दिया।

पीएलएफआई के जोनल कमांडर का एके 56 राइफल बरामद, दो उग्रवादी गिरफ्तार

खूंटी। पुलिस ने सोमवार की रात जरियागढ़ थाना क्षेत्र के मधुवन जंगल और रनिया थाना क्षेत्र में छापमारी कर पीएलएफआई के जोनल कमांडर तिलकेश्वर गोप की मैगजीन लगी एक 56 राइफल , 20 जिंदा कारतूस, हथियार बनाने वाली जंग लगी मशीन और अन्य सामान बरामद किये हैं।

अपने कार्यालय में मगलवार की शाम आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में एसपी अमन कुमार ने बताया कि उन्हें मिली गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने छापामारी कर जेल में बंद पीएलएफआई के जोनल कमांडर तलकेश्वर गोप की मैगजीन लगी एके 56 राइफल के साथ तिलेश्वर गोप के रिश्तेदार और पीएलएफआई के सक्रिय उग्रवादी जरियागढ़ के जारी गिरजाटोली गांव निवासी सागेन आईंद को गिरफ्तार किया।

उससे मिली जानकारी के आधार पर जरियागढ़ के साके टोली गांव निवासी गौतम गोप उर्फ जलवा को गिरफ्तार किया गया और उसकी निशानदेही पर एके-56 का 20 जिंदा गोली, पीएलएफआई का पर्चा और पीएलएफआई संगठन द्वारा गन फैक्ट्री के लिए मंगाई गई हथियार बनानेवाली लेथ मशीन और मिलिंग मशीन को रनिया के कोचा जंगल से बरामद किया गया।

एसपी ने बताया कि सोमवार को उन्हें यह गुप्त सूचना मिली थी जेल में बंद पीएलएफआई के जोनल कमांडर तिलकेश्वर गोप उर्फ राजेश गोप का निजी हथियार एके 56 राइफल जिसे जरियागढ़ थाना क्षेत्र के मधुवन जंगल में छिपा कर रखा हुआ है। उसे आज रात तिलकेश्वर गोप का रिश्तेदार और संगठन सदस्य सागेन आईंद वहां से निकालकर संगठन के दूसरे सदस्यों नीलांबर गोप और विश्राम कोंगाड़ी को देनेवाला है। सूचना के सत्यापन और आवश्यक कार्रवाई के लिए तोरपा एसडीपीओ ओमप्रकाश तिवारी के नेतृत्व में छापामार टीम का गठन किया गया।

छापामार टीम द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए मधवबन जंगल में छापामारी की गई और एके-56 राइफल के साथ सागेन आईंद को वहां से धर दबोचा। तिलेश्वर गोप का रिश्ते में साढू लगने वाले सागेन आईंद ने पुलिस को बताया कि पुलिस की बढ़ती छापेमारी और संगठन के कमजोर होने की स्थिति में जेल जाने से पूर्व पीएलएफआई जोनल कमांडर तिलकेश्वर गोप ने उसे वह हथियार छिपाकर रखने के लिए दिया था। एसपी ने बताया कि गिरफ्तार उग्रवादियों की निशानदेही पर रनिया के कोचा जंगल से बरामद हथियार बनाने के लेथ मशीन और मिलिंग मशीन को लगभग आठ लाख की लागत से खरीद कर चार वर्ष पूर्व मंगाया गया था।एसपी ने बताया कि गिरफ्तार दोनों उग्रवादियों का आपराधिक इतिहास भी रहा है। सागेन आईंद के विरुद्ध जिले के जरियागढ़ और रनिया थाने में आर्म्स एक्ट सहित अन्य धाराओं में दो मामले दर्ज हैं, वहीं गौतम गोप उर्फ जलवा के विरुद्ध कर्रा, रनिया, तोरपा और जरियागढ़ थाना क्षेत्र में आर्म्स एक्ट, 17 सीएलए एक्ट सहित अन्य संगीन धाराओं में छह मामले दर्ज हैं।

झारखंड उत्कृष्ट विद्यालय प्रवेश परीक्षा में 37309 विद्यार्थी हुए शामिल

रांची। जमशेदपुर निवासी रूबी दास को अब उम्मीद है कि उनकी बेटी अंजना दास भी इंग्लिश मीडियम स्कूल में पढ़ाई कर सकेगी। रूबी दास होनहार बेटी को आर्थिक समस्या की वजह से सीबीएसई संबद्धता प्राप्त स्कूल में पढ़ाई कराने में सक्षम नहीं थी लेकिन मुख्यमंत्री की पहल पर शुरू की गई उत्कृष्ट विद्यालयों ने बेटी को अंग्रेजी माध्यम में शिक्षा प्राप्त करने का रास्ता साफ कर दिया।दरअसल, सरकार द्वारा शुरू किए गए उत्कृष्ट विद्यालयों में नामांकन के लिए मंगलवार को पूरे राज्य के विभिन्न विद्यालयों में आयोजित चयन परीक्षा में शामिल हुए। झारखंड में पहली बार सरकारी स्कूलों का कायाकल्प कर उत्कृष्ट विद्यालय बनाने की मुख्यमंत्री के सार्थक प्रयास के बाद अभिभावकों में अपने बच्चे-बच्चियों के नामांकन को लेकर खासा उत्साह दिख रहा है। बड़ी संख्या में अभिभावकों द्वारा

झारखंड सरकार की उत्कृष्ट विद्यालय की इस ऐतिहासिक पहल को सराहा जा रहा है।

हर ओर दिखा उत्साह

प्रवेश परीक्षा देने आए बच्चों और उनके माता-पिता में खासा उत्साह देखने को मिला था। कई माता-पिता के लिए यह भावुक क्षण भी था। उनका सपना साकार हो रहा था। गरीबी उनके बच्चों को उत्कृष्ट शिक्षा प्रदान करने में आड़े नहीं आ रही थी। कुल 11986 उपलब्ध सीट के लिए चयन परीक्षा में कुल 37309 विद्यार्थी शामिल हुए। सबसे अधिक देवघर में 3915, पलामू में 3344, लोहरदगा 2517, चतरा में 2352, सरायकेला - खरसावां में 1818, गिरिडीह में 1693, पूर्वी सिंहभूम में 1638, रामगढ़ में 1607, रांची में 1554 विद्यार्थी शामिल हुए।

बढ़ाई गई थी आवेदन जमा करने की समय सीमा

अभिभावकों की मांग को देखते हुए उत्कृष्ट विद्यालयों में आवेदन जमा करने की समय सीमा 25 मई तक बढ़ाई गई थी। उसी के तहत मंगलवार को चयन परीक्षा का आयोजन हुआ। अब प्रथम मेधा सूची 7 जून को जारी होगा एवं 12 जून से मेधा सूची के अनुसार नामांकन प्रारंभ होगा।

जैक 12वीं बोर्ड का रिजल्ट घोषित, सृष्टि कॉमर्स और कशिश आर्ट्स के टॉपर बने

रांची

कॉमर्स में 88.06 प्रतिशत और आर्ट्स में 95.97 फीसदी स्टूडेंट पास

कॉमर्स में लड़के और आर्ट्स में लड़कियां रहीं अव्वल

झारखंड अधिविध परिषद (जैक) ने मंगलवार को 12वीं कॉमर्स और आर्ट्स स्ट्रीम का रिजल्ट घोषित कर दिया। कॉमर्स में 25147 और आर्ट्स में में 225946 छात्रों ने सफलता हासिल की है। रिजल्ट जैक के ऑफिशियल वेबसाइट पर देखा जा सकता है। उद्यान इंटर कॉलेज रांची की सृष्टि कुमारी 488 अंक लाकर कॉमर्स की स्टेट टॉपर बनी जबकि डीएवी इंटर कॉलेज कतरासगढ़ के कशिश प्रवीण आर्ट्स के स्टेट टॉपर रहे।

आर्ट्स विषय से धनबाद की कशिश परवीन 469 अंक लाकर टॉप किया है। लोहरदगा से दीक्षा कुमारी सेकंड टॉपर हुई हैं। आर्ट्स में रांची के सुधांसु कुमार ने तीसरा रैंक पाया है। इसी तरह कॉमर्स में सृष्टि कुमारी ने 480 अंक लाकर टॉप किया है। मोहिश परवीन 479 अंक सेकंड और 475 अंक के साथ रिया कुमारी थर्ड टॉपर बनी हैं।

इस साल इंटर आर्ट्स का रिजल्ट 95.97 प्रतिशत रहा है वहीं कॉमर्स का रिजल्ट 88.60 प्रतिशत रहा है। कॉमर्स के रिजल्ट में लड़कों ने बाजी मारी है। इनका पासिंग परसेंटेज 87.01 है। इसकी तुलना में लड़कियों का पासिंग परसेंटेज 90.61 है। कॉमर्स की परीक्षा में 15900 छात्र शामिल हुए थे। इसमें 13836 ने सफलता हासिल की है। वहीं, 12482 लड़कियों ने परीक्षा दी, जिसमें 11311 पास हुई हैं। आर्ट्स के रिजल्ट में लड़कियां आगे हैं। इस परिणाम में 96.58 प्रतिशत लड़कियां पास की हैं जबकि लड़कों के पास होने का प्रतिशत 95.12 है। परीक्षा में 94476 लड़के शामिल हुए और उनमें से 89875 लड़के पास हुए। 131470 लड़कियां परीक्षा में शामिल हुई जिनमें से 126981 लड़कियां पास हुई हैं।

आर्टर्स में सबसे ज्यादा सेकेंड डिवीजन

इंटर आर्ट्स के रिजल्ट में सबसे ज्यादा बच्चे सेकेंड डिवीजन से पास हुए हैं। इस परीक्षा में शामिल होने के लिए 230788 बच्चों ने आवेदन किया था। इनमें से 225946 बच्चे परीक्षा में शामिल हुए। फर्स्ट क्लास आने वालों की संख्या 97051 है। सेकेंड क्लास आने वाले बच्चों की संख्या 113018 है। थर्ड क्लास से पास करने वाले बच्चों की संख्या 6782 है। पांच बच्चे ऐसे हैं, जिन्होंने केवल परीक्षा में उत्तीर्णता हासिल की है। आर्टस में कुल 216856 बच्चे पास हुए हैं। आर्ट्स का पासिंग परसेंटेज 95.97 प्रतिशत रहा है।

साल 2019 में परीक्षा परिणाम 79.97 प्रतिशत रहा था। 2020 में 82.53 प्रतिशत रहा। बात 2021 की करें तो इस साल 90.71 प्रतिशत बच्चे परीक्षा में सफल हुए। 2022 में 97.43 बच्चे परीक्षा पास किया।

झारखंड एकेडमिक काउंसिल की ओर से जारी इंटर कॉमर्स के परिणाम में फर्स्ट क्लास आने वाले बच्चों की संख्या सबसे ज्यादा है। इस श्रेणी में 19891 बच्चे पास हुए हैं। द्वितीय श्रेणी में 5162 बच्चे पास हुए हैं। तृतीय श्रेणी की बात करें तो 94 बच्चे ही ऐसे हैं, जिन्हें यह रैंक मिला है। कॉमर्स में कुल 25147 बच्चे पास हुए हैं जबकि 28382 बच्चे परीक्षा में शामिल हुए। इंटर कॉमर्स की परीक्षा में शामिल होने के लिए कुल 28813 बच्चों ने आवेदन किया था।

इन जिलों ने आर्ट्स में किया टॉप
हजारीबाग : 98.47 फीसदी
सिमडेगा : 98.38 प्रतिशत
खूंटी : 98.04 प्रतिशत

आर्ट्स टॉपर्स
कशिश परवीन (469 अंक)
दीक्षा साहू (465 अंक)
सुधांशु कुमार (464 अंक)

कॉमर्स टॉपर्स
सृष्टि कुमारी (480 अंक)
मोहिश परवीन (479 अंक)
रिया कुमारी (475 अंक)

चार साल में कॉमर्स का रिजल्ट

साल 2019 में परीक्षा परिणाम 70.44 प्रतिशत रहा था। 2020 में 77.37 प्रतिशत रहा। बात 2021 की करें तो इस साल 90.33 प्रतिशत बच्चे परीक्षा में सफल हुए। 2022 में 92.75 बच्चे परीक्षा पास किए हैं।

कॉमर्स में जामताड़ा ने किया टॉप

कॉमर्स में जामताड़ा ने 97.36 प्रतिशत के साथ टॉप किया है। सबसे कम सरायकेला 77.94 प्रतिशत रहा।

मुख्यमंत्री ने छात्रों को दी बधाई

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने उत्तीर्ण रहे सभी छात्र-छात्राओं को बधाई देते हुए कहा कि आप सभी का भविष्य उज्ज्वल हो, यही कामना करता हूं। इस अवसर पर सीएम ने सभी अभिभावकों और शिक्षकों को भी इस परिणाम के हार्दिक बधाई दी है।

उन्होंने कहा कि झारखंड एकेडमिक कॉउन्सिल (जैक) बोर्ड इंटर (आर्ट्स) और (कॉमर्स) परीक्षा में उत्तीर्ण होने सभी छात्र-छात्राओं को हार्दिक बधाई, शुभकामनाएं और जोहार।

मुख्यमंत्री एक जून को करेंगे जोहार पोर्टल पर अपलोड परियोजनाओं की प्रगति समीक्षा

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन जोहार पोर्टल पर अपलोड झारखंड की महत्वपूर्ण परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा एक जून को करेंगे। इस बाबत राज्य के मुख्य सचिव सुखदेव सिंह ने सभी विभागों के अपर मुख्य सचिव, प्रधान सचिव,सचिव व विभागाध्यक्षों को पत्र लिखा है ओर जोहार पोर्टल पर अपने विभाग से संबंधित सारी परियोजनाओं की प्रगति को अपलोड करने का समय दिया है। प्रोजेक्ट भवन में होने वाली इस समीक्षा में राज्य के मुख्यमंत्री मुख्य रूप से पथ निर्माण विभाग, भवन निर्माण, पेयजल, ग्रामीण कार्य, ग्रामीण विकास सहित अन्य विभागों की महत्वपूर्ण परियोजनाओं की गति की जानकारी प्राप्त करेंगे। अधिकारियों को इस वित्तीय वर्ष 2023-24 में समय-सीमा पर काम करने के लिए लक्ष्य भी देंगे।यह भी देखा जायेगा कि तीन-चार से जो योजनाएं चल रही हैं, वह अभी तक क्यों नहीं पूरी हुई। सीएस ने विभाग के अधिकारियों को यह भी कहा कि जिन परियोजनाओं को पूरा करने में

बाधा आ रही है उसकी पूरी विवरणी भी जोहार पोर्टल में अपलोड करें।

उल्लेखनीय है कि राज्य सरकार ने सरकारी योजनाओं को गति देने के लिए जोहार परियोजना पोर्टल शुरू किया है, जिसमें नियमित रूप से सभी विभागों को परियोजनाओं की प्रगति रिपोर्ट अपलोड करना है। मुख्य सचिव हर माह इसकी समीक्षा करते हैं। इसका मुख्य उद्देश्य परियोजनाओं को गति प्रदान करना और समय पर पूरा कराना है। विभिन्न विभागों से जुड़ी समस्या को दूर करने के लिए सामंजस्य बैठाकर काम करना है। वनभूमि क्लीयरेंस, जमीन अधिग्रहण, यूटिलिटी शिफ्टिंग इत्यादि को समय पर कराने के लिए भी यह पोर्टल महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

फायरिंग मामले में हथियार बरामद करने में जुटी पुलिस

रांची। हिंदपीढ़ी थाना क्षेत्र के लेक रोड में पारिवारिक विवाद में सोमवार रात हुई फायरिंग मामले में पुलिस ने साहेब उर्फ ताल्हा को गिरफ्तार किया है। मंगलवार दोपहर को पुलिस आरोपित युवक को लेकर बड़ा तालाब पहुंची और फायरिंग किये हुए पिस्टलको बरामद करने में जुटी है । युवक की निशानदेही पर बड़ा तालाब में हथियार खोजने का प्रयास किया गया, लेकिन हथियार बरामद नहीं हुआ। आरोपित युवक का कहना है कि फायरिंग की घटना को अंजाम देने के बाद वह बड़ा तालाब में पिस्टल फेंककर फरार हो गया था।

दो पक्षों में पारिवारिक विवाद चल रहा था, जिसको लेकर ही गोलीबारी हुई थी। इस संबंध में पीड़ित मोहम्मद इरफान ने थाने में लिखित शिकायत दर्ज करवायी है।

दर्ज एफआईआर के अनुसार, परिवारिक विवाद को लेकर जान से मारने की नियत से साहेब उर्फ ताल्हा हथियार लेकर पहुंचा था और घर पहुंच कर दो से तीन राउंड फायरिंग की घटना को अंजाम देकर फरार हो गया था।

झारखंड में कांग्रेस विधायक प्रदीप यादव और दो बिल्डर के 12 ठिकानों पर ईडी का छापा

रांची। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने आयकर विभाग की महत्वपूर्ण रिपोर्ट के आधार पर आज सुबह झारखंड में पोड़ैयाहाट से कांग्रेस विधायक प्रदीप यादव और अन्य दो बिल्डरों के 12 स्थानों पर छापा मारा है। ईडी की यह कार्रवाई इस समय रांची में चार और देवघर में आठ स्थानों पर चल रही है।

ईडी के अधिकारियों के मुताबिक निदेशालय की टीम प्रदीप यादव के डोरंडा स्थित आवास, चेशायर होम रोड स्थित बिल्डर शिवकुमार यादव के घर और रातू रोड स्थित हाईटेन कंस्ट्रक्शन के नीरज सिंह के घर पर मौजूद है। सनद रहे इससे पहले पिछले साल चार नवंबर को आयकर विभाग ने विधायक यादव के गोड्डा और पौड़ैयाहाट स्थित आवास, निजी सहायक देवेंद्र पंडित के सरकंडा स्थित आवास और करीबी संवेदक श्यामाकांत यादव के गोड्डा स्थित आवास, होटल स्काय ब्लू और पोड़ैयाहाट के डांडै गांव में छापा मारा था।आयकर विभाग की जांच में यह खुलासा हुआ है कि विधायक यादव ने अपने कुछ करीबियों के माध्यम से अचल संपत्ति में धन का निवेश किया है। साथ ही टैक्स चोरी के लिए गैरकानूनी तरीके अपनाए।

चेन्नई सुपर किंग्स की जीत पर मुख्यमंत्री ने कप्तान धोनी को दी बधाई

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने आईपीएल में महेन्द्र सिंह धोनी की कप्तानी वाली चेन्नई सुपर किंग्स की जीत पर खुशी जताई है। साथ ही कप्तान एमएस धोनी को जोश भरे अंदाज में बधाई दी है।उन्होंने ट्वीट कर चेन्नई सुपर किंग्स की जीत पर कप्तान एमएस धोनी को सराहते हुए लिखा है कि झारखंड का लाल, तमिलनाडु के आंखों का सितारा, रांची का राजकुमार, चेन्नई का थाला, जुग-जुग जियो झारखंडी शेर।

डिप्लोमा-इन-फामेर्सी परीक्षा को लेकर नौ जून तक निषेधाज्ञा लागू

रांची। राज्य में डिप्लोमा-इन-फामेर्सी की परीक्षा नामकुम स्थित वाईबीएन यूनिवसिटी में 30 मई से नौ जून तक आयोजित है। परीक्षा प्रत्येक दिन प्रथम पाली नौ बजे पूर्वाह्न से 12 बजे मध्याहन तक और द्वितीय पाली दो बजे अपराह्न से पांच बजे अपराह्न तक होगी। परीक्षा के मद्देनजर इस दौरान सुबह छह बजे से अपराह्न आठ बजे तक निषेधाज्ञा लागू की गयी है।

जिला प्रशासन की ओर से परीक्षा केंद्र पर कदाचारमुक्त वातावरण में परीक्षा का आयोजन कराने एवं विधि-व्यवस्था को लेकर डीसी और एसएसपी की ओर से पुलिस बल एवं पुलिस पदाधिकारी के साथ दंडाधिकारी की प्रतिनियुक्ति की गई है।

परीक्षा में संलग्न छात्र एवं उनके अभिभावक परीक्षा केन्द्र पर भीड़ लगाकर विधि-व्यवस्था भंग करने की चेष्टा कर सकते हैं। इस आशंका को देखते हुए एसडीओ सदर की ओर से धारा 144 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए परीक्षा केन्द्र के 200 मीटर की परिधि में निषेधाज्ञा जारी की गयी है।

महिला पहलवानों के साथ अन्याय कर रही है मोदी सरकार

● कसमार के नावाडीह में माकपा किसान सभा ने निकाली विरोध सभा

कसमार।

अखिल भारतीय किसान सभा कसमार अंचल कमिटी के नेतृत्व में कसमार प्रखंड के नावाडीह में विरोध सभा आ आयोजन किया गया। इस अवसर पर बोकारो जिला किसान सभा के जिलाध्यक्ष कॉ० शकुर अंसारी ने कहा कि भारतीय महिला पहलवानों ने स्वर्ण पदक जीत कर भारत की शान और गौरव को बढ़ाने का कार्य किया है। उस वक्त उनलोगों को प्रधानमंत्री अपने आवास पर चाय पर बुलाते हैं। अब जबकि इन पहलवानों ने भारतीय ओलंपिक संघ के अध्यक्ष सह सांसद ब्रजभूषण सिंह पर छेड़खानी और बलात्कार का आरोप लगाया है और सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद भी अभी तक आरोपी को गिरफ्तार नहीं किया गया। भारतीय महिलाएं न्याय पाने के लिए और दोषि को सजा दिलाने के लिए जंतर मंतर पर लगातार 37 दिनों से धरना दे रही है। इधर इन्होंने नये संसद भवन पर महिला पंचायत करने का निर्णय लिया है। इसी विरूद्ध दिल्ली पुलिस ने इन महिला पहलवानों को घसीटते हुए गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। जंतर मंतर पर लगे टेंट समियाना को उखाड़ कर फेंक दिया। इस परिस्थिति में पीएम मोदी द्वारा दोषियों को बचाने के लिए हर संभव प्रयास किया जा रहा है। इससे आरोपी ब्रजभूषण सिंह ने केवल आजाद होकर घूम रहा है बल्कि पहलवानों के विरुद्ध अनाप-शनाप बकवास भी किये जा रहा है। श्री अंसारी ने कहा कि सभी पहलवान हमारे के गौरव हैं। इनकी रक्षा और इन्हें न्याय दिलाने के लिए देश की जनता खड़ी है । विरोध सभा कार्यक्रम में जटाधारी सिंह,उमाशंकर महाराज, मुमताज अंसारी,केदार महतो, सलीम अंसारी, प्रेमचंद घांसी, अमित करमाली,अरुण कुमार महतो,जुगल करमाली, सहदेव महतो, रेशमी देवी, गुलाबो देवी, करमी देवी, रिता देवी, रूपा देवी, सावित्री देवी, शिला देवी,लाखो देवी, सीता देवी,अकली देवी, सरिता देवी, मालती देवी, हरेंद्र महतो, जितनी देवी, वंदना देवी, मालती देवी, पदुम देवी आदि मौजूद थे।

बकोरिया मुठभेड़ मामले में स्पेशल कोर्ट में सीबीआई की क्लोजर रिपोर्ट स्वीकृत

रांची। सीबीआई के एसडीजेएम प्रवीण उरांव की कोर्ट ने बकोरिया मुठभेड़ मामले की क्लोजर रिपोर्ट को स्वीकृत कर लिया है। मंगलवार को सीबीआई के कोर्ट में क्लोजर रिपोर्ट को लेकर बहस हुई। अब मामले में आगे कोई जांच नहीं होगी।बकोरिया मुठभेड़ से जुड़े शिकायतकर्ता जवाहर यादव रांची सीबीआई कोर्ट में प्रस्तुत हुए। क्लोजर रिपोर्ट स्वीकृत होने के बाद मुठभेड़ के शिकायतकर्ता जवाहर यादव ने कहा कि रिपोर्ट के तथ्यों से वह हाई कोर्ट को अवगत कराएंगे। मामले को सुप्रीम कोर्ट ले जायेंगे। सीबीआई की क्लोजर रिपोर्ट के बाद सीबीआई कोर्ट ने

शिकायतकर्ता को अपना पक्ष प्रस्तुत करने को कहा था।उल्लेखनीय है कि 8 जून, 2015 को पलामू के सतबरवा प्रखंड के भलवाही घाटी में सुरक्षाबलों के साथ हुई मुठभेड़ में माओवादी कमांडर अनुराग और उसका बेटा, भतीजा, पारा शिक्षक उदय यादव सहित 12 की जान गई थी। सुरक्षाबलों ने सभी को मुठभेड़ में मार गिराने का दावा किया था। मुठभेड़ को फर्जी बताते हुए पारा शिक्षक उदय यादव के पिता जवाहर यादव ने हाई कोर्ट में पीआईएल दायर किया था। हाई कोर्ट के निर्देश पर दिसंबर 2018 से सीबीआई बकोरिया मुठभेड़ की जांच कर रही थी। 19 अप्रैल को सीबीआई ने कोर्ट में बकोरिया मुठभेड़ मामले की क्लोजर रिपोर्ट सौंपी थी।

झारखंड में वज्रपात का अलर्ट जारी

रांची। झारखंड में बदले मौसम के मिजाज की वजह से कई जिलों में लोगों को बड़ी राहत मिल रही है। तापमान में गिरावट दर्ज की गई है। कई जगहों पर वज्रपात भी हुआ। बीते सप्ताह वज्रपात से कम से कम 11 लोगों की मौत हो गई। मंगलवार को भी दिनभर धूप-छांव का खेल जारी रहा।

विभाग ने मौसम के बदलते रुख को देखते हुए येलो अलर्ट जारी किया है। लोगों से सतर्क और सावधान रहने की अपील की गई है। विभाग ने कहा कि लोग इस मौसम को देखते हुए सुरक्षित स्थानों में शरण ले।

कोई भी पेड़ के नीचे या खंभे के पास ना रहे। किसानों से खास अपील की गई है कि वे खेतों में ना जाएं, जब तक मौसम सामान्य नहीं हो जाता है।

रांची मौसम विभाग के वैज्ञानिक अभिषेक आनंद ने मंगलवार को बताया कि राज्य के उत्तर पश्चिमी, दक्षिणी और निकटवर्ती मध्य भागों में बारिश के आसार हैं। रांची, गुमला, खूंटी, सिमडेगा, पश्चिमी सिंहभूम जिले के कुछ भागों में बारिश होगी। पूवार्नुमान के मुताबिक अगले एक से तीन घंटे में हल्के से मध्यम दर्जे की मेघगर्जन के साथ बारिश की संभावना है।

इस दौरान वज्रपात की भी आशंका है। कुछ स्थानों पर 30-40 किमी की रफ्तार से हवाएं चलने की संभावना है। उन्होंने बताया कि 31 मई को आसमान में बादल छाए रहेंगे लेकिन मौसम शुष्क रहेगा। एक जून और दो जून को आसमान साफ रहेगा। इसके साथ तीन और चार जून को तापमान में थोड़ी वृद्धि दर्ज की जायेगी।

संपादकीय

युद्ध और मंदी

रूस-चीन के बीच चल रहे युद्ध ने अपना एक बड़ा दुष्प्रभाव दिखा दिया है। यूरोप की सबसे बड़ी और दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था जर्मनी ने अपने यहां मंदी की घोषणा कर दी है। इसके साथ ही, यूरोपीय मुद्रा यूरो में गिरावट का दौर शुरू हो गया है। यदि युद्ध को न रोका गया, तो यह गिरावट न जाने कहां जाकर रुकेगी। जर्मनी में मंदी आने से अमेरिका तक में चिंता पसर गई है। यूरोप में छा रही मंदी कब दूर होगी, इससे भी बड़ा सवाल है कि रूस-यूक्रेन के बीच जारी युद्ध कब खत्म होगा। अभी तो युद्ध के खत्म होने के आसार नजर नहीं आ रहे हैं। अपनी वियतनाम यात्रा के दौरान रूस के पूर्व राष्ट्रपति दिमित्री मेदवेदेव ने इशारा किया है कि युद्ध तीन-चार साल नहीं, बल्कि दशकों चल सकता है। मेदवेदेव चूंकि पुतिन के करीबी हैं, इसलिए उनकी बात को हल्के में नहीं लिया जा सकता। इन्हें बेहद आक्रामक नेता माना जाता है और इन्होंने जनवरी में कहा था कि जरूरत पड़ी, तो रूस परमाणु बम के इस्तेमाल में हिचकेगा नहीं। खैर, अगर युद्ध बहुत लंबे समय तक चलने वाला है, तो सवाल उठता है कि कितने देशों की अर्थव्यवस्था तब तक खुद को संभाल पाएगी? अमेरिका की भी स्थिति बहुत अच्छी नहीं है और ऋण संकट वहां भी असर दिखा रहा है। वहां ऋण संकट गहराया, तो इसका पूरी दुनिया पर असर होगा। फिलहाल डॉलर के मूल्य में वृद्धि हो रही है, लेकिन यह बढ़ोतरी कहां तक होगी, कहना मुश्किल है। मंदी या परेशानी की शुरुआत यूरोप से हो गई है। पहले यूरोपीय मुद्रा को नुकसान होगा और उसके बाद डॉलर पर मुसीबत बढ़ेगी। अमेरिका अभी इस स्थिति में नहीं है कि वह जर्मनी जैसी बड़ी अर्थव्यवस्था को बल प्रदान कर सके। जर्मनी में लगातार दो तिमाही से जीडीपी में गिरावट हो रही है। इधर चीन की मुद्रा में भी गिरावट हो रही है। चीनी उत्पादों की मांग में कमी आई है। मतलब यह युद्ध चीन के लिए भी ठीक नहीं है, लेकिन चीन युद्ध में रूस के साथ है। वह रूस की हर तरह से मदद भी कर रहा है। चीन में आई गिरावट से अन्य अर्थव्यवस्थाओं पर भी असर पड़ने की आशंका है। गौर करने की बात है कि चीन अभी सुधार पर ज्यादा ध्यान नहीं दे रहा है। वह दुनिया में अस्थिरता को लेकर कतई चिंतित नहीं है और इसलिए भी रूस-यूक्रेन युद्ध के खत्म होने की संभावना कम ही नजर आती है। क्या दुनिया के जिम्मेदार देश वाकई ईमानदारी से युद्ध को खत्म करने के लिए प्रयास करेंगे? क्या जर्मनी युद्ध में किसी भी तरह के सहयोग देने से पीछे हटेगा? क्या जर्मनी युद्ध को खत्म करने के लिए और दबाव बनाएगा? सवाल कई हैं, लेकिन जवाब कहीं नहीं है। अफसोस की बात है, युद्ध को रोकने के लिए प्रयास करने के बजाय अभी ज्यादातर देशों का ध्यान रूस या यूक्रेन की प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से मदद करने पर है। सबसे बड़ी चिंता की बात यही है। भारत इस युद्ध को खत्म करने की अपील लगातार कर रहा है, लेकिन रूस से तेल आयात के मामले में उस पर भी उंगलियां उठ रही हैं। भारतीय अर्थव्यवस्था अभी ठीक स्थिति में है, क्योंकि भारत में आंतरिक स्तर पर ही तमाम तरह के उत्पादों की मांग लगातार बनी हुई है। फिर भी, भारत सहित दुनिया के सभी जिम्मेदार देशों को रूस-यूक्रेन युद्ध खत्म करने की राह निकालनी चाहिए। सुलह का मार्ग खोजना चाहिए, ताकि युद्ध को जल्दी से जल्दी खत्म किया जा सके और अर्थव्यवस्थाओं को डूबने से बचाया जा सके।

राजस्थान में उठापटक

(वीरेंद्र कुमार जाटव)

कर्नाटक विधानसभा चुनाव में हार को दरकिनार कर राजस्थान, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ में भाजपा युद्ध स्तर पर काम करेगी, जिसकी एक झलक केंद्रीय मंत्रिमंडल के फेरबदल से देखने को मिला है। पूर्व कानून मंत्री किरण रिजीजू को हटाकर राजस्थान के एक लोकप्रिय दलित नेता अर्जुन मेघवाल को कानून मंत्री बना कर सरकार ने स्पष्ट कर दिया है कि वह राजस्थान में सत्ता परिवर्तन का संकल्प ले चुकी है।

राजस्थान में भाजपा को प्रबल संभावनाएं भी नजर आ रही हैं, क्योंकि वहां कांग्रेस के दिग्गज नेता सचिन पायलट ने विद्रोह कर दिया है और ताबड़तोड़ रैलियां कर शक्ति प्रदर्शन कर रहे हैं। इस स्थिति में भाजपा को फायदा नजर आ रहा है और यह संभव है कि आने वाले दिनों में प्रधानमंत्री और गृहमंत्री बड़ी योजनाओं के साथ राजस्थान जाएंगे।

राजस्थान में दलित और मुसलिम समुदाय पर सबसे ज्यादा अत्याचार देखने को मिले हैं। कांग्रेस सरकार इन घटनाओं पर लगाम नहीं लगा सकी। गनीमत है कि वहां बसपा इतनी मजबूत नहीं है, अन्यथा कांग्रेस को वोटों का भारी नुकसान हो सकता था। अभी चुनाव छह महीने दूर है, लेकिन इस बार राजस्थान में जोरदार चुनावी उठापटक और घमासान होने वाला है।

आजादी और लोकतंत्र

(मुकेश कुमार मनन)

एक समय अंग्रेजों ने जो मजाक उड़ाया था, उसका अभिप्राय शायद यह था कि भारतीय स्वाधीनता को पचा नहीं पाएंगे। तब हम भारतीय उन अंग्रेजों का उपहास उड़ाते थे। लेकिन कभी यह नहीं सोचते कि वे अपनी बात संपूर्ण भारतीय उपमहाद्वीप के संदर्भ में कह रहे थे। भारतीय उपमहाद्वीप में आज लोकतंत्र की क्या स्थिति है? पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की गिरफ्तारी होते ही वहां दंगा भड़क जाता है, जबकि खाने-पीने की चीजों की महंगाई और किल्लत को लेकर आम पाकिस्तानी अवाम पहले से ही तबाह है। आखिर पाकिस्तान हो या श्रीलंका। हालात लगभग एक जैसे क्यों उत्पन्न हुए?उन वजहों को टटोलने से जो बातें उभर कर सामने आती हैं, उससे यही अंदाजा लगता है कि हम उन बातों को ज्यादा तरजीह तवज्जो देते हैं जो मसला निहायत व्यक्तिगत होना चाहिए था। वह है आस्था का विषय। अब जब आस्था की बात होती है तो फिर हम संकुचित हो जाते हैं। धर्म से इसका मतलब निकालने लगते हैं, जबकि व्यापक संदर्भ में किसी अपने प्रिय के प्रति हद से ज्यादा आस्था अच्छी नहीं।जैसे भाषा, क्षेत्र, जाति, रीति-रिवाज, परंपरा, धर्म आदि। दूसरा जो अप्रिय है, उसका अस्तित्व हम नहीं स्वीकारेंगे। जहां ऐसी परिस्थिति उत्पन्न कर दी जाएगी, वहां जनमानस के हालात वैसे होंगे, जैसे कुएं में भांग या यों कहें कि कोई नशीला पदार्थ पड़ा हो। भला हम वहां लोकतंत्र की सफलता की उम्मीद कैसे कर सकते हैं?

सांस्कृतिक पुनरुत्थान के पथ पर तेजी से आगे बढ़ रहा है मध्य प्रदेश

(लोकेन्द्र सिंह राजपूत)

मध्य प्रदेश सरकार 'श्रीराम वनगमन पथ' के निर्माण की दिशा में भी निर्णायक कदम बढ़ा चुकी है। वनवास के कालखंड में प्रभु श्रीराम जहां से गुजरे थे, उस मार्ग को विकसित करने की मांग हिन्दू समाज की ओर से काफी समय से की जा रही है।

पिछले आठ-दस वर्षों का सिंहावलोकन करने पर ध्यान आता है कि यह भारत के सांस्कृतिक पुनर्जागरण का दौर है। इस अमृतकाल में भारत अपने 'स्व' की ओर बढ़ रहा है। अयोध्या में भव्य एवं दिव्य श्रीराम मंदिर का निर्माण हो रहा है। श्रीराम ने जिस संघर्ष और धैर्य के मार्ग को चुना था, उनके भक्तों ने भी मंदिर निर्माण के लिए उसी का अनुसरण किया। अब बेहिचक सरयू के तट पर दिव्य दीपावली मनायी जाती है। केदारधाम से लेकर काशी के विश्वनाथ मंदिर और अवंतिका (उज्जैन) में बाबा महाकाल का लोक साकार रूप ले रहा है। भारत जब करवट बदल रहा है, तब मध्य प्रदेश सांस्कृतिक पुनर्जागरण की बेला में कहाँ पीछे छूट सकता है।

मध्य प्रदेश में शिवराज सरकार भी अपनी सांस्कृतिक विरासत को सहेजने-संवारने में अग्रणी भूमिका निभा रही है। इस संदर्भ में 'राम वन गमन पथ' के निर्माण का निर्णय करते हुए मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने जो कहा, उसे समझना चाहिए- आज देश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण के लिए हम प्रतिबद्ध हैं। मुख्यमंत्री का यह वक्तव्य संकेत करता है कि सांस्कृतिक पुनरुत्थान के इस दौर में मध्य प्रदेश चूकना नहीं चाहता है। स्वतंत्रता के समय से ही भारत को अपने सांस्कृतिक मान-बिंदुओं को संवारने का जो काम शुरू कर देना चाहिए था, वह अब जाकर शुरू हो रहा है, तो फिर अब रुकना नहीं है।

श्रीसोमनाथ मंदिर के जीर्णोद्धार के समय जो हिचक हमारे स्वतंत्र भारत के प्रारंभिक नेतृत्व ने दिखायी, उस व्यर्थ की हिचक से वर्तमान नेतृत्व मुक्त है। हमारे वर्तमान नेतृत्व को न केवल अपनी सांस्कृतिक विरासत पर गौरव है अपितु वह उसके संवर्धन के लिए प्रतिबद्ध भी दिखायी देता है।

मध्य प्रदेश में सांस्कृतिक पुनर्जागरण की गति में तीव्रता 2016 के बाद दिखायी देती है, जब उज्जैन में आयोजित 'सिंहस्थ' के दौरान 'वैचारिक कुंभ' की महान परंपरा को पुनर्जीवित करने का प्रयास किया गया। वैचारिक महाकुंभ से निकले अमृत स्वरूपी 51 मार्गदर्शक बिंदुओं के प्रकाश में सरकार ने आगे बढ़ना शुरू किया। 'महाकाल लोक' का निर्माण भी उन्हीं 51 बिंदुओं में से एक था। शिवराज सरकार ने महाकाल लोक को साकार करके भारत की प्राचीन संस्कृति, उसके दर्शन एवं शिक्षाओं को समाज तक पहुँचाने का सराहनीय कार्य किया है। महाकाल लोक के दर्शन के लिए लगातार बहुत बड़ी संख्या में देश-प्रदेश से लोग पहुँच रहे हैं। ये सब दर्शनार्थी/पर्यटक अपने साथ यहाँ से क्या लेकर जाते होंगे? निस्संदेह, भारत की ज्ञान-परंपरा और जीवनमूल्यों को सीखकर ही जाते होंगे। सांस्कृतिक विरासत को सहेजने के लिए प्रतिबद्ध सरकार ने महाकाल लोक को मिल रहे जन-प्रसाद से उत्साहित होकर, सांस्कृतिक पुनरुत्थान की अगली कड़ी में ओरछा में श्रीराम राजा कॉरिडोर एवं वनवासी राम लोक, जाम सावली में हनुमान धाम, सलकनपुर में देवी लोक, दतिया में माई पीतांबरा का धाम और श्रीराम वन गमन पथ का निर्माण करने का फैसला किया है। वहीं, ओंकारेश्वर में जगद्गुरु आद्य शंकराचार्य की स्मृति में एकात्म धाम का विकास लगभग पूर्णता की ओर है। एकात्म धाम के विशाल परिसर में सात केंद्र बनेंगे, जो भारत के वास्तु और स्थापत्य कलाओं पर आधारित होंगे। यहाँ आचार्य शंकर की जीवन यात्रा पर केंद्रित संग्रहालय तो बनेगा ही, यह स्थान अद्वैत का शोध-संस्थान भी बनेगा। याद रखें कि ओंकारेश्वर आचार्य शंकर की ज्ञान स्थली है। यह वही स्थान है, जहां से अद्वैत दर्शन की शिक्षा प्राप्त करके उनके जीवन की महायात्रा आरंभ हुई थी। मूल रूप से उसी अद्वैत दर्शन के लोकव्यापीकरण की दिशा में एकात्मधाम को विकसित किया जा रहा है।

मध्य प्रदेश सरकार 'श्रीराम वनगमन पथ' के निर्माण की दिशा में भी निर्णायक कदम बढ़ा चुकी है। वनवास के कालखंड में प्रभु श्रीराम जहां से गुजरे थे, उस मार्ग को विकसित करने की मांग हिन्दू समाज की ओर से काफी समय से की जा रही है। विभिन्न सरकारों ने भी कई बार 'राम वन गमन पथ' के निर्माण की घोषणा की है लेकिन अब तक इस दिशा में ठोस पहल कभी नहीं हुई। पहली बार मध्य प्रदेश सरकार ने ठोस पहल करते हुए 'श्री रामचंद्र पथ गमन न्यास' का गठन करने का निर्णय लिया है। राम पथ गमन के निर्माण को लेकर जिस प्रकार का संकल्प मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने व्यक्त किया है, उसे देखकर विश्वास है कि जल्द ही यह स्वप्न भी साकार होगा।

उल्लेखनीय है कि अपने 14 वर्षीय वनवास के दौरान भगवान श्रीराम की उपस्थिति सबसे अधिक समय तक मध्य प्रदेश में रही। एक प्रकार से राम की कृपा प्राप्त करने में मध्य प्रदेश सौभाग्यशाली रहा है। यहां राम ने 11 साल 11 महीने और 11 दिन का समय गुजारा। प्रदेश में सतना जिले के चित्रकूट से राम की वन की यात्रा शुरू होती है। कामतानाथ मंदिर चित्रकूट से राम स्फटिक शिला और गुप्त गोदावरी के बाद सती अनुसुइया आश्रम पहुंचे। इसके बाद सलेहा मंदिर पन्ना, मैहर से होते हुए कटनी जिले के बड़वारा से होते हुए राम जबलपुर के शाहपुरा पहुंचे। जबलपुर के ग्वारी घाट से भी राम गुजरे हैं। यहां से सतना जिले के राम मंदिर तालाधाम से शहडोल के सीतामढ़ी और फिर अमरकंटक पहुंचे। चूंकि सबसे अधिक समय राम ने मध्य प्रदेश में गुजारा इसलिए राम पथ का निर्माण मध्य प्रदेश की जिम्मेदारी भी है। यह सुखद है कि मध्य प्रदेश की शिवराज सरकार आनंद के साथ अपनी इस जिम्मेदारी को निभाने के लिए आगे आई है।

यह जो सांस्कृतिक पुनर्जागरण हो रहा है, यह देश-प्रदेश की सर्वांगीण उन्नति का आधार भी बनेगा। भारत की एकता एवं अखंडता का सूत्र भी हमारी संस्कृति है। प्राचीन इतिहास के पृष्ठ भी जब हम उलटकर देखते हैं, तब हमें ध्यान आता है कि आचार्य चाणक्य से लेकर आचार्य शंकर तक ने भारत को शक्ति सम्पन्न एवं एकजुट करने के लिए संस्कृति का ही आधार लिया। जगद्गुरु आदि शंकराचार्य ने भी अपने समय में देश को जोड़ने और एकात्म स्थापित करने के लिए सांस्कृतिक पक्ष पर ही काम किया। ब्रिटिश सत्ता के विरुद्ध देशभर में चल रहे आंदोलनों का प्राण भी संस्कृति थी। भारत भूमि के साथ उत्तर से दक्षिण एवं पूर्व से पश्चिम तक जो हमारा नाता है, उसका भी आधार संस्कृति है। दुनिया में भारत की संस्कृति ने ही सबसे पहले कहा था कि सबके मूल में एक ही तत्व है। जड़-चेतन में एक ही ब्रह्म है। इसलिए ही भारत में बाहरी तौर पर तो विविधता दिखाई देती है, किंतु अंदर से सब एक-दूसरे से जुड़े हैं। क्योंकि, सब मानते हैं कि सबमें एक ही तत्व है।

हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि भारत ने विश्व में जो सम्मान प्राप्त किया है, वह आर्थिक प्रगति से कहीं अधिक अपनी सांस्कृतिक विरासत एवं सांस्कृतिक जीवनमूल्यों के नाते किया है। यदि भारत अपनी संस्कृति को ही संभालकर नहीं रख सका, तब उसकी पहचान क्या रह जाएगी? विश्व में भारत राष्ट्र की पहचान उसकी संस्कृति से रही है। संस्कृति भारत की आत्मा है। भारत की एकता का मुख्य आधार भी संस्कृति ही है। भारत की जो आत्मा है, जिसे पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने चिति कहा है, वह इस देश की संस्कृति है। गांधीवादी चिंतक धर्मपाल ने भी अपनी पुस्तक 'भारतीय चित्त, मानस और काल' में भारत के सांस्कृतिक पक्ष को रेखांकित करते हुए उसके मूल को समझाने का प्रयास किया है। उन्होंने स्पष्ट किया है कि जब तक हम भारत के चित्त को नहीं समझेंगे, उसे जानेंगे नहीं और उससे जुड़ेंगे नहीं, तब तक हम भारत को 'भारत' नहीं बना सकते। अपने स्वभाव को विस्मृत करने के कारण ही आज अनेक समस्याएं उत्पन्न हुई हैं। पिछले 70 वर्षों में एक खास विचारधारा के लेखकों, साहित्यकारों एवं इतिहासकारों ने आम समाज को 'भारत बोध' से दूर ले जाने का ही प्रयास किया। देश को उसकी संस्कृति से काटने का षड्यंत्र रचा गया। उन्होंने इस प्रकार के विमर्श खड़े किए, जिनसे भारत बोध तो कतई नहीं हुआ, बल्कि आम समाज भारत को विस्मृत करने की ओर जरूर बढ़ गया। सदैव से ही भारतीय राष्ट्र के उत्थान और पतन का वास्तविक कारण संस्कृति का प्रकाश अथवा उसका अभाव है। आज भारत उन्नति की आकांक्षा कर रहा है। संसार में बलशाली एवं वैभवशाली राष्ट्र के नाते खड़ा होना चाहता है। सब ओर से समर्थन भी मिल रहा है। ऐसी दशा में भारत को यह सांस्कृतिक पुनर्जागरण ही बल दे सकता है। यह सांस्कृतिक पुनर्जागरण भारत की नियति को गढ़ने वाला सिद्ध होगा। (लेखक माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय में सहायक प्राध्यापक हैं।)

असमानता- दुनिया में 1.3 अरब लोग अब भी गरीबी में जीने को विवश, सबसे बुरे हाल में बच्चे और युवा

गरीबी केवल आर्थिक मुद्दा नहीं, बल्कि एक बहुआयामी समस्या है। संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों में बताया गया है कि किसी एक विशेष कारण के चलते नहीं, बल्कि अलग-अलग कारणों से लोगों को गरीबी में जीवन बिताने पर मजबूर होना पड़ता है। भोजन, घर, जमीन, स्वास्थ्य जैसे गरीबी के कई पहलू हैं। संयुक्त राष्ट्र का मानना है कि हमें एक स्थायी भविष्य के निर्माण के लिए गरीबी और भेदभाव को मिटाने की दिशा में अपने प्रयास और तेज करने तथा यह सुनिश्चित करना होगा कि सभी लोग अपने मानवाधिकारों का पूर्ण उपयोग कर सकें।

(रंजना मिश्रा)

विश्व असमानता रिपोर्ट के मुताबिक दुनिया की सबसे गरीब आधी आबादी के पास कुल संपत्ति का सिर्फ दो प्रतिशत हिस्सा है, जबकि दुनिया की सबसे अमीर दस प्रतिशत आबादी के पास कुल संपत्ति का छिहत्तर प्रतिशत हिस्सा है।

गरीबी केवल आर्थिक मुद्दा नहीं, बल्कि एक बहुआयामी समस्या है। संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों में बताया गया है कि किसी एक विशेष कारण के चलते नहीं, बल्कि अलग-अलग कारणों से लोगों को गरीबी में जीवन बिताने पर मजबूर होना पड़ता है। भोजन, घर, जमीन, स्वास्थ्य जैसे गरीबी के कई पहलू हैं। संयुक्त राष्ट्र का मानना है कि हमें एक स्थायी भविष्य के निर्माण के लिए गरीबी और भेदभाव को मिटाने की दिशा में अपने प्रयास और तेज करने तथा यह सुनिश्चित करना होगा कि सभी लोग अपने मानवाधिकारों का पूर्ण उपयोग कर सकें।

हाल ही में विश्व असमानता लैब द्वारा जारी विश्व असमानता रिपोर्ट 2022 के अनुसार, भारत दुनिया के सबसे असमान आय वाले देशों में है। इसमें बताया गया है कि दुनिया की सबसे गरीब आधी आबादी के पास कुल संपत्ति का सिर्फ दो प्रतिशत हिस्सा है, जबकि दुनिया की सबसे अमीर दस प्रतिशत आबादी के पास कुल संपत्ति का छिहत्तर प्रतिशत हिस्सा है। मध्य-पूर्व और उत्तरी अफ्रीका दुनिया के सबसे असमान क्षेत्र हैं, जबकि यूरोप में असमानता का स्तर सबसे कम है। काम से होने वाली कुल आय में महिलाओं की हिस्सेदारी 1990 में लगभग 30 प्रतिशत थी जो अब 35 प्रतिशत से भी कम है। देशों में सबसे अधिक आय वाले दस प्रतिशत और सबसे कम आय वाले पचास प्रतिशत व्यक्तियों की औसत आय के बीच का अंतर लगभग दोगुना हो गया है। इस अध्ययन में यह भी पाया गया कि पिछले चालीस वर्षों में देश तो काफी अमीर हो गए हैं, लेकिन उनकी सरकारें काफी गरीब हो गई हैं। कोविड महामारी के बाद आए आर्थिक संकट के चलते भी गरीबी तथा असमानता बढ़ी है।

वर्ष 2022-23 के लिए गरीबी उन्मूलन की अंतरराष्ट्रीय दिवस की विषय-वस्तु सभी के लिए गरिमा या सम्मान रखी गई थी। वास्तव में प्रत्येक मनुष्य की गरिमा या सम्मान उसका अपना मौलिक अधिकार होता है और उसकी रक्षा जरूरी है। पर गरीबी में जी रहे लोग स्वयं को उपेक्षित और तिरस्कृत महसूस करते हैं। उन्हें लगता है कि उन्हें नकारा और उनका अनादर किया जा रहा है। मानवाधिकारों की रक्षा के लिए गरीबी को समाप्त करना और हर जगह शांति और समृद्धि स्थापित करना प्राथमिक लक्ष्य होना चाहिए।

मगर वर्तमान स्थितियों में 1.3 अरब लोग अब भी गरीबी में जी रहे हैं, जिनमें से लगभग आधे बच्चे और युवा हैं। हाल में लोगों के बीच आय और अवसरों की असमानता का स्तर तेजी से बढ़ा है। हर साल अमीर-गरीब के बीच की खाई और अधिक चौड़ी होती जा रही है। एक ओर गरीब और अधिक गरीब होता जा रहा है, वहीं अरबपति वर्ग की संपत्ति में अभूतपूर्व वृद्धि हो रही है।

दरअसल, गरीबी और असमानता गलत फैसलों और निष्क्रियता का परिणाम है। हमारे समाज में अमीर लोग गरीबों और हाशिए पर रहने वाले लोगों को और अधिक कमजोर और उनके मौलिक अधिकारों का उल्लंघन करते हैं। सामाजिक बहिष्कार, संरचनात्मक भेदभाव और अशक्तता जैसे कारक गरीबी में फंसे लोगों का जीवन और कठिन बना देते हैं। इसके अलावा सूखा, बाढ़ आदि जलवायु परिवर्तन आपदाओं की मार भी गरीब वर्ग पर ही सबसे अधिक पड़ती है।

आज दुनिया में जब आर्थिक विकास, तकनीकी साधनों और वित्तीय संसाधनों की बढ़ोतरी का दावा किया जा रहा है, तब दुनिया के करोड़ों लोगों का गरीबी में रहना बिल्कुल अपेक्षित नहीं है। किसी भी देश में गरीबों की लाचार स्थिति उस देश के आर्थिक विकास के दावों पर प्रश्नचिह्न लगाती है। गरीबी का अर्थ है सम्मान से जीने की बुनियादी क्षमता का अभाव, इसलिए गरीबी को केवल आर्थिक मुद्दा नहीं समझना चाहिए। गरीबों को अधिकतर अपनी आजीविका के लिए ऐसे काम भी करने पड़ते हैं, जो उनके स्वास्थ्य और उनकी जान के लिए खतरनाक होते हैं। उन्हें असुरक्षित आवासों में रहना पड़ता है।

मुफ्त सुविधाओं के सामाजिक-आर्थिक आयाम

उन्हें पौष्टिक भोजन उपलब्ध नहीं हो पाता। न्याय तक उनकी पहुंच नहीं हो पाती। स्वास्थ्य सुविधाओं तक भी उनकी सीमित पहुंच होती है। अत्यधिक गरीबी की स्थिति में भूख और कुपोषण का सामना करना, शिक्षा और अन्य बुनियादी सेवाओं तक सीमित पहुंच होना, सामाजिक भेदभाव, सामाजिक बहिष्कार तथा निर्णय लेने में भागीदारी का अभाव आदि शामिल हैं।

समावेशी विकास और खाद्य सुरक्षा: तेजी से बढ़ती जनसंख्या, अशिक्षा और निम्न मानव विकास, लगातार बढ़ती बेरोजगारी, देशों में पूंजी की कमी, अल्पविकसित अर्थव्यवस्था, मूल्य में वृद्धि, अर्थव्यवस्था का पारंपरिक स्वरूप, पर्याप्त कौशल विकास का न होना, उद्यमिता का विकास न होना, समुचित औद्योगीकरण का अभाव, पिछड़ी सामाजिक संस्थाएं, भ्रष्टाचार, आधारभूत संरचना की कमी, भूमि और दूसरी संपत्तियों का असमान वितरण और गरीबी का दुश्चक्र आदि गरीबी के मुख्य कारण हैं। गरीबी में जी रहे लोग अपने बच्चों को श्रम बाजार में धकेल देते हैं। दुनिया के लगभग 60 प्रतिशत बाल श्रमिक कृषि क्षेत्र में पाए जाते हैं।

ये बच्चे अक्सर खतरनाक परिस्थितियों में काम करने को विवश होते हैं, जिससे बच्चों के स्वास्थ्य, शिक्षा और जीवन पर बहुत बुरा प्रभाव पड़ता है। गरीबों के बीच महिलाओं और पुरुषों की स्कूली शिक्षा का अंतराल, सामान्य स्तर के लोगों के मुकाबले दोगुने से अधिक है। विश्व आर्थिक मंच द्वारा जारी रिपोर्ट के अनुसार, 2030 तक भारत में लगभग ढाई करोड़ परिवारों को गरीबी रेखा से ऊपर लाने में सफलता मिलेगी और गरीबी रेखा से नीचे रहने वाले परिवारों की हिस्सेदारी 15 फीसद से घट कर केवल 5 फीसद रह जाएगी। भारत सरकार के आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, 2011 की जनगणना में देश की करीब 22 फीसद आबादी गरीबी रेखा के नीचे थी। समय के साथ देश में गरीबी में कमी तो आई है, लेकिन शहरी क्षेत्रों की अपेक्षा ग्रामीण क्षेत्रों में गरीबी में कमी की दर अब भी धीमी है।

बदलते दौर में पिछड़ती महिलाएं: गरीबी उन्मूलन के लिए सरकार ने राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार कार्यक्रम जैसी कई योजनाओं और कार्यक्रमों की शुरुआत की है। पर अब भी भारत में गरीबी रेखा का निर्धारण करना एक प्रमुख चुनौती है। अब भी कोई ऐसा मान्य मापदंड नहीं है, जिससे गरीबी की वास्तविक स्थिति को परिभाषित किया जा सके। इसके साथ ही गरीबी उन्मूलन के लिए संसाधन पर्याप्त रूप से उपलब्ध नहीं हैं। गरीबी उन्मूलन कार्यक्रमों में भ्रष्टाचार के कारण योजनाओं का लाभ लाभार्थी तक नहीं पहुंच पाता। कार्यक्रमों और योजनाओं का उचित क्रियान्वयन नहीं हो पाता। लगातार बढ़ती जनसंख्या के अनुपात में देश के संसाधनों का विकास कम होता है, जिसके कारण गरीबी उन्मूलन कार्यक्रम भी अपेक्षित परिणाम नहीं दे पाते। गरीबी रेखा का निर्धारण करने के लिए वैज्ञानिक तरीका अपनाया जाना चाहिए, जिससे वास्तविक गरीबों की पहचान की जा सके और उन्हें सरकारी योजनाओं का लाभ दिया जा सके। ग्रामीण गरीबों में अधिकतर छोटे किसान शामिल होते हैं। उनकी गरीबी दूर करने और खाद्य सुरक्षा बढ़ाने के लिए कृषि उत्पादकता में सुधार, संसाधनों और प्रौद्योगिकी तथा बाजार तक उनकी पहुंच बढ़ाने की आवश्यकता है। स्थानीय रोजगार सृजन को प्रोत्साहित करके ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में गरीबी कम करने का प्रयास होना चाहिए। गरीब महिलाओं को शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ाकर उनकी आय के स्तर में सुधार किया जा सकता है। सामाजिक सुरक्षा को बेहतर बनाकर, गरीबों की आजीविका में सुधार, बेहतर जोखिम प्रबंधन और उनके बच्चों के स्वास्थ्य और शिक्षा को बढ़ाने में मदद की जा सकती है। इससे लोगों के बीच असमानता भी कम होगी। गरीबों को स्वस्थ और संतुलित आहार उपलब्ध कराना बहुत जरूरी है, जिससे उनका शारीरिक और मानसिक विकास तो होगा ही, श्रम की उत्पादकता में भी वृद्धि होगी।

RNI Title Code - JHAHIN01027 स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक डॉ. सिकंदर कुमार द्वारा माँ भवानी आर्ट भागलपुर रोड नीयर सिनेमा हॉल दुधानी दुमका से मुद्रित एवं झारखंड देखो कार्यालय मजिस्ट्रैट कॉलोनी बंदरजोरी, दुमका से प्रकाशित प्रधान संपादक डॉ. सिकंदर कुमार (मो. नं. 9955599136)
(इस अंक में प्रकाशित समाचारों का चयन एवं संपादन के लिए पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी)

पिया का घर प्यारा लगे

नयी बहू को परिवार में अपनी जगह बनाने में समय लगता है। नए परिवार में नए रिश्ते होते हैं, हर रिश्ते की अपनी अलग पहचान और अलग सुर होता है, लेकिन अच्छी बहू को सबके साथ घुलमिल कर रहना होता है। उनके साथ किस तरह सामंजस्य बिठाएं और किस तरह सामंजस्य बिठाएं और किस तरह वे नयी बहू को सहयोग दे सकते हैं, यह समझना बहुत जरूरी है।

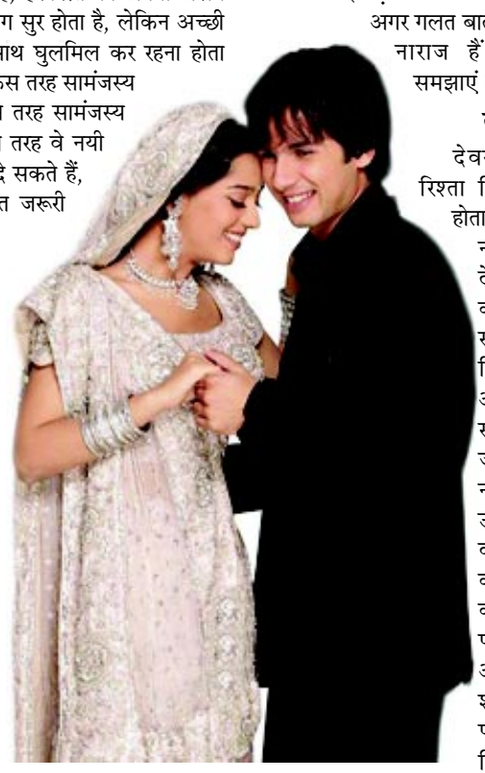

ससुर

अब वे जमाने गए, जब ससुर खांसते हुए बहुओं को चेतावनी दे कर घर में दाखिल हुआ करते थे। आज बहू-ससुर का संबंध बदला है। बहुएं ससुर के साथ बैठ कर खाती-पीती हैं, बातें करती हैं और उनके साथ अपनी समस्याएं बांटती हैं। ससुर घर के प्रमुख की हैसियत से अपनी पत्नी और बहू दोनों को समझा सकते हैं। बहू को परिवार की इज्जत और प्रतिष्ठा के अनुकूल आचरण करने तथा पत्नी को बहू को उचित मार्गदर्शन देने की सलाह दे सकते हैं। दूसरी ओर बहुओं को ससुर के लिए कपड़े आदि लाने या उनका मनपंसद खाना बनाने से पहले सास से जरूर पूछ लेना चाहिए। सास को यह ना लगे कि बहू बेटे के साथ-साथ उनके पति पर भी अधिकार जमा रही है।

ननद

सास-बहू के संबंध मधुर बनें या तनावपूर्ण, इसमें ननद की भूमिका से इंकार नहीं किया जा सकता, भले ही ननद शादीशुदा हो या अविवाहित। वह उसी घर में पली-बढ़ी होती है, इसलिए घर के तौर-तरीकों को अच्छी तरह जानती-समझती है। नयी बहू को घर और घर के सदस्यों के बारे में बता कर वह सबके बीच सेतु का काम करती है, साथ ही सास के गुस्से से भी वही उसको बचा सकती है। ननद को प्रेम से अपने विश्वास में ले कर बहुएं ससुराल में सामंजस्य आसानी से बिठा सकती हैं। दूसरी ओर ननदों को कोशिश करनी चाहिए कि घर में झगड़े की स्थिति ना आए। मां अगर गलत बात पर भाभी से नाराज हैं, तो उन्हें समझाएं।

देवर

देवर-भाभी का रिश्ता जितना प्यारा होता है, उतना ही नाजुक भी। देवर नयी भाभी को घर के अन्य सदस्यों व रिश्तेदारों की आदतों व स्वभाव की जानकारी दे कर नए परिवार में उसे एक सहज वातावरण देने की कोशिश करते हैं। देवर पर अनावश्यक शक ना करें, पति से शिकायत कर भाइयों के बीच तनाव ना लाएं। पति एवं सास से पूछ कर देवर की पसंद-नापसंद जानें और उसके खानपान का ध्यान रखें।

पति

मां और पत्नी के बीच सबसे ज्यादा परेशान होता है पति। मां के प्रेम और पत्नी के विश्वास को कायम रखते हुए उसे दोनों के बीच संतुलित व्यवहार रखना होता है, जिससे मां को भी बुरा ना लगे और पत्नी भी उपेक्षित महसूस ना करे। यदि मां की कोई बात जायज नहीं है, तो उचित तरीके से मां को समझाने की कोशिश करें। कभी भी पत्नी को इतनी छूट ना दें कि वह मां का अपमान करे, ना ही अनावश्यक रूप से मां को पत्नी पर हावी होने दें।

सभी को साथ ले कर चलना परिवार की महिलाओं के हाथ में होता है। वे चाहें, तो घर बना सकती हैं और चाहें, तो घर तोड़ सकती हैं, लेकिन इसमें पुरुषों की भूमिका से भी इंकार नहीं किया जा सकता।

एक सप्ताह और सात आदतें

वजन कम करने के लिए प्राय: अपनी जीवनशैली में परिवर्तन की सलाह दी जाती है। जैसा कि हम सभी जानते हैं अपनी आदतों में,खासतौर से खान-पान से जुड़ी आदतों में बदलाव लाना बहुत मुश्किल होता है। अगर हर दिन यदि एक आदत बदली जाए तो हफ्ते भर में हमारी जीवनशैली बदल जाएगी और वजन कम करने का लक्ष्य आपके काफी करीब होगा। आइए हम आपको बताते हैं कि ऐसा कैसे करें।

सोमवार

हफ्ते की शुरुवात लो फैट डाइट से करें। खासकर दूध,दही और पनीर लो फैट या नॉन फैट प्रकार का ही लें। लो फैट दूध की सर्विंग में सामान्य दूध की अपेक्षा ६४ कैलोरी और साढ़े सात ग्राम फैट कम होता है। इसी तरह एक औंस लो फैट में सामान्य पनीर की अपेक्षा ३४ कैलोरी और साढ़े चार ग्राम फैट कम होता है।

मंगलवार

ऑफिस कार की बजाए बस या लोकल ट्रेन से जाएं। बस से जाते समय एक दो स्टॉप पहले ही उतर जाएं। सिर्फ १० मिनट सुबह और १० मिनट शाम पैदल चलने से आप १०० कैलोरी खर्च कर सकती हैं। अगर बस या ट्रेन से जाना मुमकिन न हो तो अपनी कार ऑफिस से काफी दूर पार्क करें।

बुधवार

मक्खन, मार्जरीन व वेजिटेबल ऑयल सभी में सेहत के लिए नुकसानदेह सेचुरेटेड फैट होते हैं जिससे मोटापा तो बढ़ता ही है, दिल की बीमारियों का खतरा भी काफी बढ़ जाता है इसलिए आज से फैट कम करने की कोशिश करें। खाना पकाने के लिए नॉनस्टिक पैन इस्तेमाल करें, दाल-सब्जियां ज्यादा से ज्यादा उबालकर या ग्रिल करके इस्तेमाल करें। तेल का इस्तेमाल कम से कम करें। खाने में स्वाद मसालों से आता है तेल से नहीं। फैट लेना बहुत ही जरुरी हो तो ऑलिव ऑयल का इस्तेमाल करें।

बृहस्पतिवार

अपनी कैलोरी गिनना शुरु करें। दिन भर के लिए डाइट चार्ट बनाएं और इसे रेफ्रीजेरेटर के दरवाजे पर चिपका दें ताकि जब भी आप कोल्डड्रिंक, मिठाई या आइसक्रीम खाना चाहें, पहली नजर उस चार्ट पर पड़े।

शुक्रवार

आज से आप लिफ्ट की जगह सीढ़ियों का इस्तेमाल करना शुरु कर दें, फिर चाहे वह ऑफिस की सीढ़ियां हो या आपके अपार्टमेंट की या फिर थिएटर की। सीढ़ियां चढ़ने के मौके तलाशें।

शनिवार

मोटा अनाज लेना शुरु करें। आटे को चोकर सहित इस्तेमाल करें। व्हाइट ब्रेड की जगह ब्राउन ब्रेड खाएं। पॉलिश किए हुए चावल के बजाए बिना पॉलिश वाला चावल लें। नमकीन वेफर्स,बिस्कुट की जगह बतैर स्नैक्स अंकुरित दालें, भुने चने और फल लें। बोनस के रूप में अतिरिक्त फाइबर और विटामिन बी तो मिलेगा ही।

रविवार

आज से भोजन के समय टीवी ऑफ। खाना पूरे परिवार के साथ और हर कौर का स्वाद लेते हुए खाएं। शोध से पता चला है कि टीवी के सामने भोजन करते हुए हम क्या खा रहे हैं, क्या नहीं, इस पर ज्यादा ध्यान नहीं दे पाते और जरुरत से ज्यादा कैलोरी ले लेते हैं। जो कि मोटापा बढ़ाती है।

फिर लौट आया फैशन लम्बे बालों का

एक जमाना था जब लम्बे बाल ही खूबसूरती का पर्याय माने जाते थे। फिल्मी नायिकाओं से लेकर सामान्य स्त्रियों तक हर एक की पसंद होती थी कमर के नीचे तक लटकती हुई चोटी। फिर दौर आया नए-नए हेयर स्टाइल्स का। जूड़ा,फ्रिंज,बॉब्ड हेयर, पफ जैसे स्टाइल नई पीढ़ी को लुभाने लगे। इसके बाद के दौर में जया भादुड़ी, रेखा व जया प्रदा जैसी अभिनेत्रियों ने लम्बी चोटी वाले स्टाइल को ही तरजीह दी लेकिन युवा वर्ग में दूसरे स्टाइल कुछ ज्यादा ही लोकप्रिय थे।

इसके बाद एक लम्बा समय गुजर गया। लोग जैसे भूल ही गए लम्बे बालों को। नारी कैरियर माइंडेड हो चली थी। इस नई भूमिका में लम्बे बालों की साज-संबाल करना उसके लिए संभव नहीं था। शायद इसलिए शार्ट स्टेप कट,बेबी कट से लेकर बॉय कट तक ने जोर पकड़ा। लम्बे बालों के लिए जरुरी समझी जानेवाली चीजें- जवाकुसुम तेल, ब्राह्मी, आंवला, रीठा और शिकाकाइ सब न जाने कहां खो गए और बाजार में आ गए तरह-तरह के शैंपू, कंडीशनर और लाल,सुनहरे,ब्राउन,ग्रीन और ब्लूइश शेड वाले डाई कलर्स।

अब एक बार फिर दौर आया है लम्बे बालों का। अबकी बार लम्बे बालों को सिर्फ फैशन ही नहीं बल्कि खूबसूरती और प्रभावशाली व्यक्तित्व का एक हिस्सा समझकर अपनाया जा रहा है। जैसी कि पहले धारणा थी कि लम्बे बाल वेस्टर्न ड्रेसेज के सा नहीं फबते, भी गलत साबित हो रही है। स्कर्ट, शार्ट कुरते और पैंट्स के साथ भी लम्बे बाल खूब सजते हैं। इसके अलावा अब को आए दिन होने वाले फैशन शो में भी लम्बे बालों वाली माडल ही ज्यादा दिखाई देती हैं। हालांकि काफी मेहनत के बाद ही बाल लम्बे होते हैं परंतु ये प्रभावशाली लगते हैं।

मुहांसे भगाने के आसान उपाय

- फोड़े-फुंसियां जितनी जल्दी पकती हैं, उतनी ही जल्दी उनके फूटने से आराम मिलता है। मटके के टुकड़े को पानी लगा कर साफ फर्श या सिल पर रगड़ें, उससे बने पेस्ट को फुंसियों पर लगाएं। कुछ ही घंटों में फौड़ा या फुंसी पककर अपने आप फूट जाएगा।
- फुंसियों पर काली मिर्च घिस कर लगाएं, सूख जाएंगी।
- मौसम बदलने पर कई बार खुश्की के साथ चेहरे पर गोल निशान पड़ जाते हैं या इन्फेक्शन के कारण फंगस जैसी परेशानी हो जाती है। यह दिखने में तो मामूली होती है, पर लगातार मन को परेशान रखती है। इस तरह के निशानों पर तुलसी की पत्ती रगड़ें। तीन दिन में इनका नामोनिशान नहीं रहेगा।
- होंठ फटने पर गाय के दूध का ताजा घी नाभि में लगाएं, होंठ मुलायम हो जाएंगे।

ग्रीन खिचड़ी

सामग्री : चावल-२०० ग्राम, साबुत मूंग-१०० ग्राम, पालक धुला और कटा हुआ-१ गठी, स्प्रिंग ऑनियन बारीक कटा-३, टॉमेटो प्यूरी-२ बड़े चम्मच, अदरक पेस्ट-१ चम्मच, लहसुन पेस्ट-१ चम्मच, जीरा-१ चम्मच, देशी घी या तेल-१ बड़ा चम्मच, जीरा पाउडर-१ चम्मच हरी मिर्च लंबाई में कटी-२ या ३, कसूरी मेथी-१चम्मच, धनिया पाउडर-१ चम्मच, लाल मिर्च पाउडर-१ चम्मच, गर्म मसाला पाउडर-१ चम्मच, नमक-स्वादानुसार।

विधि : चावल भिगो कर रखें। दो कप पानी में साबुत मूंग आधी कच्ची पकाएं। पालक उबालें और पेस्ट बनाएं। कड़ाही में घी या तेल गर्म करें और प्याज (स्प्रिंग ऑनियन) हल्का भूरा करें। फिर हरी मिर्च, जीरा, अदरक पेस्ट, लहसुन पेस्ट और टॉमेटो प्यूरी इसमें मिला कर कुछ समय तक आंच पर भूनें। अब इसमें आधी पकी दाल, पालक पेस्ट, नमक, धनिया, जीरा पाउडर और लाल मिर्च डालकर उबालें। उबलने के बाद चावल, गर्म मसाला और कसूरी मेथी डालें। पानी कम लगे तो डाल लें और चावल पकने तक आंच पर रखें। दही या अचार के साथ गर्मागर्म परोसें।

हेल्थ प्लस

बिस्तर में पेशाब करना बच्चों से जुड़ी आम समस्या है। इसके लिए अधिक परेशान होने की आवश्यकता नहीं है। समय के साथ-साथ यह समस्या अपने आप दूर हो जाती है। बस जरूरत है इस समस्या को लेकर आपके सही नजरिए की।

बच्चों की आम समस्या

बिस्तर गीला करना

आमतौर पर तीन वर्ष या इससे अधिक उम्र के बिस्तर गीला करने की आदत से छुटकारा पा लेते हैं।

कई मामलों में तो बच्चे आठ या १० वर्ष की उम्र में भी अपनी मूत्र क्रिया पर नियंत्रण रखना नहीं सीख पाते, जिससे माता-पिता भी परेशान रहते हैं। डॉक्टर की राय के अनुसार यदि बच्चा पांच साल की उम्र के बाद भी सोते हुए बिस्तर पर पेशाब करता है, तो इसे चिकित्सा शब्दावली में एन्युरीसिस कहा जाता है जो कि रोग नहीं, बल्कि रोग का लक्षण है। ऐसे मामलों में बच्चे से सहानुभुतिपूर्ण व्यवहार करना चाहिए और उन कारणों का पता लगाने की कोशिश करनी चाहिए कि बच्चा पेशाब पर कंट्रोल क्यों नहीं कर पा रहा। देखा गया है कि लड़कियों की तुलना में अधिकतर लड़के ही बिस्तर गीला करते हैं। बच्चे की उम्र तीन साल से अधिक हो जाने पर बिस्तर गीला करने के मानसिक या शारीरिक कारण हो सकते हैं। सही समय पर पेशाब करने का प्रशिक्षण न देना भी इस समस्या का एक प्रमुख कारण है। मानसिक कारणों के अंतर्गत यदि बच्चा असुरक्षा की भावना महसूस करता है, भयभीत रहता है या अकेलापन महसूस करता है तो ऐसी स्थिति में तीन साल से अधिक उम्र का बच्चा भी नींद में बिस्तर गीला कर सकता है।

शारीरिक कारणों के अंतर्गत यह समस्या तब तक बनी रहती है जब बच्चे के पेट में कीड़े हों, उसे कब्ज की शिकायत रहती हो, पेशाब में एसिड हो या बच्चों को सोने से पहले अधिक पेय पदार्थ पिलाया जाए। कई मामलों में वातावरण संबंधी कारणों से भी बच्चे बिस्तर पर पेशाब कर देते हैं, जैसे परिवार में कलहपूर्ण वातावरण। नींद में बिस्तर गीला करने के आनुवांशिक कारण भी हो सकते हैं। अधिकतर बच्चों में बिस्तर पर पेशाब करने की आदत इसलिए नहीं छूटती, क्योंकि माता-पिता बच्चों को समय पर पेशाब करने की आदत नहीं डाल पाते।

यदि आपका बच्चा नींद में बिस्तर पर पेशाब करता है, तो यह जानने की कोशिश करनी चाहिए कि बच्चे पर किसी प्रकार का कोई दबाव तो नहीं है। उसके मन में असुरक्षा की भावना को दूर करने की कोशिश करनी चाहिए। रात को सोने से पहले बच्चे को दूध या पानी पिलाने से भी बच्चा बिस्तर में पेशाब कर देता है, इसलिए बच्चे को सुलाने से पहले अधिक मात्रा में दूध या पानी न पिलाएं। इस समस्या से छुटाकारा पाने का सबसे सही समाधान यही है कि डेढ़-दो साल की उम्र से ही बच्चे को समय पर पेशाब करने की आदत डाल देनी चाहिए। अगर बच्चे को समय-समय पर पेशाब करवाई जाए तो बच्चा पेशाब आने से पहले संकेत को समझकर समय पर पेशाब करने की आदत अपना लेगा और मां-बाप की परेशानी दूर हो जाएगी।

फायदेमंद है कड़वा करेला

गर्मियां हैं करेले का मौसम। करेले कड़वे तो होते हैं, लेकिन इनके लाभ अनेक हैं।

- सब्जी के रूप में करेले के नियमित सेवन से गैस, कब्ज, आफरा आदि की शिकायत नहीं रहती तथा भूख अच्छी लगती है।
- पेट में कीड़ें हों, तो भी करेले का रस पीने से लाभ होता है।
- मुंह में छाले होने पर करेले के रस के कुल्ले करने से आराम मिलता है। करेला लकवा, डायबिटीज व बवासीर रोग में भी बहुत फायदा करता है।

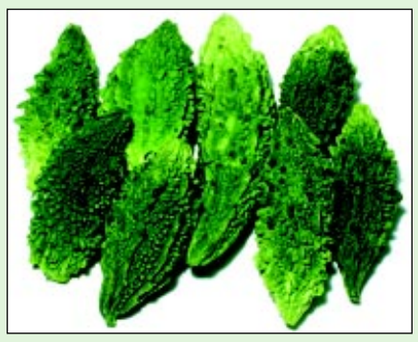

- गर्मी के मौसम में इसका सेवन करने से फोड़े-फुंसी नहीं होते तथा खून भी साफ होता है।
- गर्मियों में पैरों के जलन आदि ज्यादा होती है। करेले के पत्तों की मालिश करने से आराम मिलता है।
- करेले का सेवन सब्जी या जूस के रूप में किया जा सकता है। करेले का अचार भी बेहद स्वादिष्ट होता है।
- करेले को उबाल कर या स्टीम दे कर कम तेल-मसाले में पकाया जाए, तो उसके पौष्टिक तत्व नष्ट नहीं होते।
- करेले की कड़वाहट दूर करने के लिए उन्हें बीच से चीर कर चावल के पानी में आधा घंटे के लिए भिगो कर फिर बनाएं।
- करेलों को छीलने के बाद उनके छिलके फेंकें नहीं। इनको अच्छी तरह धो कर मसाले में मिला कर करेलों में भरें। इनमें काफी पोषक तत्व होते हैं, फेंकने से वे व्यर्थ हो जाएंगे।

शरीर की वृद्धि और विकास के लिए गाजर बड़ी अनमोल।

पौष्टिक गाजर

गाजर का वैज्ञानिक नाम 'डाकस केरोट' है। अंग्रेजी में इसे 'कैरट' तथा संस्कृत में इसे गर्जर या गृंजन के नाम से जाना जाता है। शतपुष्पा कुल (अम्बेलीफेरी) का यह विशिष्ट सदस्य स्वास्थ्य एवं सौन्दर्य प्रदान करने वाला अद्वितीय आहार है। गाजक फल तथा सब्जी दोनों की श्रेणी में आने वाली शीतकालीन फसल हैं। गाजर मुख्यतया तीन (काली, लाल तथा पीली) रंग की होती है। इसमें लाल तथा पीली गाजर अधिक गुणकारी एवं पौष्टिक होती है।

पौष्टिकता की दृष्टि से गाजर में कार्बोहाइड्रेट, विटामिन ए, खनिज लवण जैसे- कैल्शियम, मैगनीज, पोटेशियम तथा जिंक आदि प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं। इसमें बी-कॉम्प्लेक्स समूह के विटामिन जैसे-थायमीन, राइबोफ्लेविन तथा नायसीन आदि प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं। गाजर की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि शरीर के वृद्धि और विकास के लिए आवश्यक सभी दस अमीनो अम्ल (लायसीन, ट्रिप्टोफेन फिनाइल एलेनीन, मिथियोनिन, थ्रियोनिन, ल्यूसिन, आइसोल्यूसिन, वेलीन, आर्जीनिन तथा हिस्टीडिन) प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं। सौ ग्राम गाजर के सेवन से ४८ किलो कैलॉरी ऊर्जा प्राप्त होती है।

गाजर के औषधीय गुण

रक्ताल्पता : गाजर का रस रक्ताल्पता (एनीमिया) में अमुत के समान कार्य करता है। इससे रक्त की कमी दूर होती है, स्फूर्ति और कांति बढ़ती है।

खूनी पेचिश : खूनी पेचिश में शाम के समय एक कप गाजर के रस में थोड़ा सा शहद मिलाकर नियमित एक हफ्ते तक सेवन करने से लाभ मिलता है।

बवासीर : खूनी बवासीर में इसका स्वरस तथा बकरी के दूध का दही एक-एक पाव दोनों को अच्छी तरह मिलाकर सुबह के समय पीने से रक्त स्त्राव बंद हो जाता है।

रतौंधी : गाजर को रतौंधी रोग की प्रभावी दवा के रूप में जाना जाता है, क्योंकि यह विटामिन ए का सबसे अच्छा एवं सस्ता स्त्रोत है। गाजर एवं पालक का रस समान मात्रा में मिलाकर नियमित ४० दिन तक पीने से नजर की कमजोरी दूर होती है।

कब्ज : गाजर के नियमित सेवन से कब्ज दूर होता है और भूख खुलकर लगती है।

ऊर्जा संवर्द्धन : गाजर में विटामिन ई (अल्फा, बीटा तथा गामा टोकोफेरोल) प्रचुर मात्रा में पाया जाता है।

गठिया : गठिया रोग में गाजर और चुकंदर का रस बराबर मात्रा में मिलाकर शहद के साथ पीने से लाभ होता है। गाजर के रस से गठिया का मूल कारण यूरिक अम्ल का निष्कासन तीव्रता से होता है।

कृमि : गाजर के प्रयोग से आंतों के समस्त हानिकारक कीटाणु एवं कृमि समाप्त हो जाते हैं। गाजर प्रबल विषाणु अवरोधक, एण्टीडोट्स तथा एण्टीसेप्टिक हैं।

गाजर का पोषक मान

खाद्य भाग के प्रति 100 ग्राम भार में

पोषक तत्त्वों की मात्रा		खनिज एवं विटामिन्स		
नमी	86 प्रतिशत	केरोटिन	1890	माइकोग्राम
कार्बोहाइड्रेट	10.6 प्रतिशत	थायमीन	0.04	मि.ग्रा.
प्रोटीन	0.9 प्रतिशत	राइबो फ्लेविन	0.02	मि.ग्रा.
वसा	0.2 प्रतिशत	नायसीन	0.6	मि.ग्रा.
खनिज लवण	1.1 प्रतिशत	फोलिक अम्ल	15	माइक्रोग्राम
रेशे	1.2 प्रतिशत	कैल्शियम	80	मि.ग्रा.
ऊर्जा	.48 किलो कैलॉरी	फास्फोरस	530	मि.ग्रा.

कब्ज है तो पालक खाइए

कब्ज से पीड़ित व्यक्ति को कुछ दिनों तक रोजाना सुबह पालक का कच्चा रस पीना चाहिए।

अगर आपको कब्ज की शिकायत हमेशा बनी रहती है तो पालक आपको इससे मुक्ति दिला सकती है। हार्वर्ड यूनिवर्सिटी के शोधार्थियों ने एक अध्ययन के दौरान पाया कि पालक में एक ऐसा तत्व होता है, जिसमें कब्ज को नेस्तनाबूत करने की अपार क्षमता होती है। इस अध्ययन के अनुसार कब्ज से पीड़ित व्यक्ति को कुछ दिनों तक रोजाना सुबह पालक का कच्चा रस पीना चाहिए। इससे पाचन तंत्र की सफाई होकर वह सुदृढ़ हो जाता है। उस रस से आंतों में जमा विषैले तत्व आसानी से बाहर निकल जाते हैं और आंतों को अतिरिक्त पोषण मिल जाता है। शोधार्थियों का मानना है कि कब्ज एक ऐसा रोग है, जिसका समय रहते निदान नहीं किया जाए तो यह कई बीमारियों को जन्म दे सकता है। इससे निपटने की अद्भुत क्षमता पालक में है। यदि आप भी कब्ज से परेशान हैं तो कुछ दिनों तक पालक का जूस पीजिए और फिर देखिए कि कब्ज कहां गुम हो जाती है।

मां और बेटा

यदि गर्भवती महिला स्वस्थ है तो उसके द्वारा पैदा की जाने वाली संतान भी स्वस्थ होगी। इसी प्रकार यदि मां अस्वस्थ है, खासकर मोटापे की शिकार है तो उसका होने वाला बच्चा भी मोटापे की गिरफ्त में आ सकता है। एक शोध के अनुसार गर्भावस्था में मोटापे से ग्रस्त महिला का बच्चा दो या तीन साल की उम्र से ही ओवरवेट से जूझने लगता है। तीन हजार बच्चों पर किए गए अनुसंधान का निष्कर्ष यह है कि मोटापे की शिकार महिलाओं को गर्भधारण से पहले अपना मोटापा कम करने का प्रयास करना चाहिए। इसके बाद ही गर्भधारण पर विचार करना बेहतर होता है।

ऐसे रखें सांसों को सुगंधित

- भोजन करने के बाद अच्छी तरह कुल्ला करें।
- सौंफ, इलायची और लौंग खाएं।
- प्याज खाने के बाद थोड़ी धनिया की पत्ती चबा लें, दुर्गंध से छुटकारा मिलेगा।
- दिन में दो-चार बार तुलसी की पत्तियां चबा लिया करें, सांसें सुवासित होंगी।
- दिन में दो बार एक कप पानी में चुटकी भर पोटाश डाल कर कुल्ला करें, बदबू नहीं आएगी। इन सब उपायों के बाद भी मुंह की बदबू बनी रहती है, तो किसी डॉक्टर को दिखाएं। इसकेशारीरिक केअलावा मनोवैज्ञानिक कारण भी हो सकते हैं।
- पायरिया या दांतों की अन्य बीमारियों से बचने के लिए नियमित रूप से दांतों के डाक्टर को दिखाते रहें। साथ ही दिन में दो बार ब्रश करने की आदत डालें।